RNI No. MPHIN/2015/64451 डाक पंजीयन क्र. MP/IDC/1525/2022-2024 IPT डाक द्वारा प्रेषण प्रति शुक्रवार indianplasttimes@gmail.com

DPR No. N-193
www.Indianplasttimes.in

इंडियन प्लास्ट टाइम्स

■ INDORE ■ 14 JUNE TO 20 JUNE 2023 ■ प्रति बुधवार ■ वर्ष 08 ■ अंक 39 ■ पृष्ठ 8 ■ कीमत 5 रु.

Inside News

10 साल में ऐसा कभी नहीं हुआ, 24 इंटरनेशनल ब्रैंड आ रहे हैं हमारे देश, एक से एक दिग्गज Page 2

जीएसटी लगाने के लिए स्किल-बेस्ड और बेटिंग-बेस्ड ऑनलाइन गेमिंग के बीच फर्क करना जरूरी है Page 3

अब AI दिलाएगा अनचाहे कॉल्स और एसएमएस से छुटकारा Page 5

editoria!

कर्मचारी भरोसा बढ़ाएं

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि सरकारी तंत्र में जनता के भरोसे को बढ़ाना सभी सरकारी कर्मचारियों की जिम्मेदारी है. उन्होंने रविवार को दिल्ली में पहले राष्ट्रीय प्रशिक्षण सम्मेलन का उद्घाटन करते हुये कहा कि सरकार के भीतर कभी भी योग्य, समर्पित और प्रतिबद्ध अधिकारियों की कमी नहीं रही. उन्होंने सेना का उदाहरण देते हुए कहा कि सेना ने आम लोगों के बीच एक अटूट विश्वसनीयता की छवि बनायी है और ऐसा ही प्रयास सरकारी कर्मचारियों को भी करना चाहिए, प्रधानमंत्री की यह टिप्पणी दर्शाती है कि उन्हें यह एहसास है कि सरकारी व्यवस्था को लेकर जनता में विश्वसनीयता की कमी है. दरअसल, सरकारी तंत्र की छवि आम जनों के बीच बहुत आदर्श नहीं रही है. सरकारी कार्यालयों को ऐसी जगह होना चाहिए जहां जाते ही आम व्यक्ति को ऐसा प्रतीत हो कि वह ऐसी जगह पहुंच गया है जहां उसकी शिकायतों मांगों और आवेदनों को सुना जायेगा. सरकारी अधिकारियों या कर्मचारियों के पास जाकर आम जनता को यह लगना चाहिए कि वह सरकार के एक ऐसे प्रतिनिधि के पास पहुंच गया है जो उसके हितों की ईमानदारी से रक्षा करेगा. मगर, आम लोगों में सरकारी कार्यालयों और सरकारी कर्मचारियों को लेकर अभी तक ऐसा भरोसा नहीं बन पाया है. सरकारी व्यवस्था के बारे में एक और धारणा यह है कि लालफीताशाही की वजह से सरकारी काम समय पर नहीं हो पाते. और यह समस्या केवल आम लोगों को ही प्रभावित नहीं करती, इसके प्रभाव दूरगामी और व्यापक हो सकते हैं. पिछले महीने क्रेडिट रेटिंग एजेंसी मूडीज ने चेतावनी दी थी कि भारत में लालफीताशाही की वजह से कारोबार के लिए लाइसेंस मिलने में देरी होती है और देश में निवेश पर असर पड़ सकता है. मूडीज ने भारत के महत्व को स्वीकार करते हुए कहा कि विनिर्माण और बुनियादी ढांचे से जुड़े विकास की बदौलत भारत अगले पांच साल तक जी-20 देशों में सबसे तेजी से विकास करने वाली अर्थव्यवस्था बना रहेगा. लेकिन, उसने चेतावनी भी दी है कि यदि सरकारी विभागों से मंजूरी के काम में तेजी नहीं आयी तो इससे निवेशकों में भारत के लिये आकर्षण घटेगा. प्रधानमंत्री ने सरकारी कर्मचारियों के प्रशिक्षण के बारे में कहा कि हर कर्मचारी की क्षमता को निखारने का प्रयास होना चाहिए, सरकारी कर्मचारियों का समूचित प्रशिक्षण बहुत जरूरी है. इससे वे अपना काम पेशेवर तरीके से कर पायेंगे और जनता में उनकी विश्वसनीयता बढ़ेगी.

लंच ब्रेक के बाद अब सरकारी ऑफिसों में होगा 'Y ब्रेक'

चाय-कॉफी के बजाए कुर्सी पर योग करते दिखेंगे कर्मचारी

नई दिल्ली। एजेंसी

अगली बार जब आप सरकारी दफ्तर जाएं और आपको ऑफिस में कर्मचारी चाय-कॉफी के बजाए कुर्सी पर योग करते दिखें तो हैरान मत होइएगा। वो टाइम पास नहीं कर रहे बल्कि सरकार की सलाह मान रहे हैं। केंद्र सरकार ने अपने कर्मचारियों को ऑफिस में योग करने की सलाह दी है। सरकार ने नोटिफिकेशन जारी कर कहा है कि वो ऑफिस में कुर्सी पर बैठे-बैठे योग करें। केंद्र सरकार ने अंतरराष्ट्रीय योग दिवस से पहले केंद्रीय कर्मचारियों को अपने काम से वक्त निकालकर Y ब्रेक लेने की सलाह दी है।

क्या है Y ब्रेक

केंद्र सरकार ने सभी कर्मचारियों को अपने काम से थोड़ा सा वक्त निकालकर योग करने की सलाह दी है। सरकार ने इस योग विराम को ‘ब्रेक का नाम दिया है। कार्मिक मंत्रालय की ओर से इस बारे में सभी मंत्रालयों और विभागों को दिशानिर्देश जारी किया गया है। सरकार वाय ब्रेक के लिए अपने अधिकारी और कर्मचारियों को मोटिवेट कर रही है। अपने कर्मचारियों को फिट और टेंशन फ्री और तनाव मुक्त रखने के लिए सरकार ने इसकी शुरुआत की है। वाई-ब्रेक का मतलब है कि

सरकारी कर्मचारी दफ्तर में अपनी कुर्सी पर बैठे-बैठे कुछ योग और प्राणायाम कर सकेंगे।

कैसे करेगा कर्मचारियों की मदद

केंद्र सरकार ने कर्मचारियों के तनाव को दूर करने के लिए ये फैसला लिया है। वो कर्मचारी जो पूरे दिन फाइलों से जूझते रहते हैं। काम की वजह से तनाव में रहते हैं, उनके लिए ये योग ब्रेक उन्हें तरोताजा करने और तनाव को दूर करने में मदद करेगा। इस वर्क प्लेस योग से कर्मचारी खुद को फिट रखने के साथ-साथ काम की प्रोडक्टिविटी को भी बढ़ा सकेंगे। डॉक्टर भी इसकी सलाह देते हैं कि हर आधे घंटे में थोड़ी देर के लिए चल-फिर कर , अपने शरीर को हिला डुला कर रिलेक्स करने की जरूरत होती है। इससे स्ट्रेस रिलीज करने में मदद मिलती है। काम के साथ-साथ योग की मदद से कर्मचारियों के स्वस्थ को बेहतर बनाने में मदद हो सकेगी। अब सरकारी कर्मचारी योग ब्रेक (Y-Break) की मदद से आसन, प्राणायाम, और ध्यान की मदद से खुद को हेल्दी रख सकेंगे।

कुर्सी पर बैठे-बैठे योग

12 जून को इस संबंध में नोटिफिकेशन जारी किया गया था। जिसमें कहा गया है कि मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान और आयुष मंत्रालय उन कर्मचारियों को कार्यस्थल पर अपनी जगह पर बैठे-बैठे योग की सलाह दे रहे हैं। वो कर्मचारी जो काम की वजह से योग नहीं कर पाते हैं, उन्हें ऑफिस में काम के साथ-साथ खुद को हेल्दी रखने का मौका मिलेगा। उन्हें योग के लिए कहीं बाहर जाने या किसी शिविर में जाने की जरूरत नहीं होगी। वो कुर्सी पर बैठकर कुछ हल्के-फुल्के योग कर सकेंगे।

बेअसर महंगाई..... सिर्फ मई में ही बिक गई 334247 कारें

मुंबई। एजेंसी

घरेलू बाजार में पैसेंजर वीइकल्स (PVs, यात्री वाहनों) की होलसेल बिक्री मई में सालाना आधार पर 13.54 पर्सेंट बढ़कर 3,34,247 यूनिट हो गई। सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (SIAM) के आंकड़ों के अनुसार मई 2022 की तुलना में मई 2023 के दौरान सभी सेगमेंट में वाहनों की होलसेल बिक्री डबल डिजिट में बढ़ी है। आंकड़ों के मुताबिक, मई 2022 में मैन्युफैक्चर्स ने डीलरों को PVs की 2,94,392 यूनिट भेजीं। इस दौरान टू-वीइलर्स की थोक बिक्री 14,71,550 यूनिट रही, जो पिछले साल मई में 12,53,187 यूनिट थी। टू-वीलर्स सेल्स में 17.42 पर्सेंट का इजाफा हुआ।

PV सेल्स रेकॉर्ड लेवल पर

SIAM के डायरेक्टर जनरल राजेश मेनन का कहना है कि मई में पैसेंजर वीइकल्स की सेल्स रेकॉर्ड लेवल पर दर्ज की गई। यूटिलिटी वीइकल्स की होलसेल बिक्री 35.5 पर्सेंट उछलकर 155184 यूनिट हो गई। जो एक साल पहले मई में 116255 थी। इस बिक्री में टाटा मोटर्स के आंकड़े शामिल नहीं है। वहीं SIAM के प्रेजिडेंट विनोद अग्रवाल ने कहा, 'मई 2022 की तुलना में मई 2023 के दौरान सभी सेग्मेंट्स में वाहनों की होलसेल बिक्री डबल डिजिट में बढ़ी।' उन्होंने कहा कि इन रुझानों के आगे भी जारी रहने की उम्मीद है।

थ्री-वीइलर्स

थ्री-वीइलर्स की होलसेल बिक्री 48,732 यूनिट थी, जबकि मई 2022 में यह आंकड़ा 28,595 था। सियाम ने कहा कि सभी कैटेगरी में कुल वीइकल्स डिस्पैच मई 2023 में 18,08,686 यूनिट रहा, जो एक साल पहले इसी अवधि में 15,32,861 यूनिट था।

अब लुभावने एड दिखाकर बेवकूफ नहीं बना सकेंगी ई कॉमर्स कंपनियां

डार्क पैटर्न पर सरकार की चेतावनी

नई दिल्ली। एजेंसी

कंज्यूमर को भ्रामक विज्ञापनों के जरिए लुभाने, बरगलाने और प्रभावित करने को लेकर सरकार ने ई-कॉमर्स कंपनियों को सख्त चेतावनी दी है। Advertising Standards Council of India (ASCI) ने उपभोक्ता मामलों के विभाग के साथ ई-कॉमर्स कंपनियों को विज्ञापनों में डार्क पैटर्न की पहचान करने के लिए एक सेल्फ रेगुलेटरी फ्रेमवर्क बनाने के लिए कहा है। ASCI और उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय ने 13 जून को विज्ञापन में डार्क पैटर्न पर Amazon, Flipkart, Ola, Uber, Google, Ola और Uber सहित अन्य कंपनियों के साथ परामर्श किया। डार्क पैटर्न का मतलब है कि किसी चीज को खरीदने के लिए उकसाना। उसके लिए कंस्यूमर को बरगलाना। भ्रामक विज्ञापनों के जरिये ग्राहकों को प्रभावित करना। उपभोक्ता मंत्रालय ने साफ तौर कंपनियों से कहा है कि अगर कंपनियां डार्क पैटर्न को नहीं पहचानती हैं और इस मुद्दे का समाधान नहीं करती हैं तो ASCI कानूनी कार्रवाई कर सकता है। ASCI ने कहा है कि ई-कॉमर्स कंपनियों में अधिक डार्क पैटर्न हैं क्योंकि इसमें पैसा शामिल है।

10 साल में ऐसा कभी नहीं हुआ, 24 इंटरनेशनल ब्रैंड आ रहे हैं हमारे देश, एक से एक दिग्गज

नई दिल्ली । एजेंसी

भारत दुनिया में सबसे तेज रफ्तार के साथ ग्रोथ कर रहा है। जहां दुनिया के बड़े-बड़े देश मंदी के दरवाजे पर खड़े हैं, तो भारत में अच्छी खासी डिमांड देखी जा रही है। यही कारण है कि दुनियाभर की कंपनियां भारत में निवेश करने को आतुर हैं। वे यहां अपने सामान बेचना चाहती है और एक बड़े मार्केट का फायदा उठाना चाहती हैं। इस साल करीब 2 दर्जन इंटरनेशनल ब्रैंड्स भारत में आना चाहते हैं। वे यहां अपने स्टोर्स खोलना चाहते हैं। 10 साल में यह पहली बार है, जब इतनी बड़ी संख्या में ग्लोबल ब्रैंड्स भारत आना चाहते हैं। कोविड के बाद खपत में आई तेजी के चलते वैश्विक कंपनियां भारत की तरफ आकर्षित हो रही हैं।

इस साल भारत आना चाहते हैं 24 ग्लोबल ब्रैंड

इस साल करीब 24 ग्लोबल ब्रैंड्स भारत आना चाहते हैं। इससे पहले 2020 में यह संख्या 1, 2021 में 3 और 2022 में 11 थी। महामारी से पहले करीब 12-15 ब्रैंड्स हर साल भारत आते थे। इटली का लग्जरी फैशन ब्रैंड रॉबर्टो कैवल्ली, ब्रिटिश लग्जरी गुड्स ब्रैंड डनहिल और अमेरिकी स्पोर्ट्सवियर एंड फुटवियर रिटेलर फुट लॉकर भारत में आने के लिए बातचीत कर रहे हैं।

कई चेन्स भारत में खोलना चाहती हैं स्टोर्स

कई चेन्स जैसे इटली की लवाजा और अरमानी कैफे, अमेरिका की जंबा और ऑस्ट्रेलिया की द कॉफी क्लब के भी इस साल भारत आने की संभावना है। सीबीआरई के भारत, दक्षिण पूर्व एशिया, मिडिल ईस्ट और अफ्रीका के चेयरमैन अंशुमान मैगजीन ने कहा, 'हमें उम्मीद है कि फूड एंड बेवरेज और कुछ एंटरटेनमेंट ब्रैंड्स साल 2023 में भारतीय बाजार में उतर सकते हैं।' उन्होंने कहा, 'इस साल पहले से ही कई इंटरनेशनल ब्रैंड्स भारत आ चुके हैं।'

ये ब्रैंड्स आ चुके भारत

एक दर्जन से अधिक इंटरनेशनल ब्रैंड्स, जिनमें वैलेंटिनो, मैकलेरन और बालेंसीगा शामिल हैं, ने पिछले कुछ महीने में भारत में डेब्यू किया है। कोविड लॉकडाउन के बाद अपस्केल लेबल्स की बढ़ी हुई मांग का फायदा उठाने के लिए ये ब्रैंड्स भारत आ रहे हैं। पॉटरी बार्न, प्रेट ए मैंगर, टिम हॉर्टन्स और पोपीज भी भारत आए हैं।

चीन की कंपनी को देना पड़ सकता है तीन गुना जुर्माना

शाओमी को ईडी का नोटिस, 5,551 करोड़ के घपले का मामला

नई दिल्ली । एजेंसी

प्रवर्तन निदेशालय ने विदेशी मुद्रा कानून उल्लंघन मामले में बड़ी कार्रवाई की है। एजेंसी ने 5,551 करोड़ रुपये से ज्यादा के विदेशी मुद्रा कानून उल्लंघन मामले में मोबाइल फोन बनाने वाली चीन की कंपनी शाओमी कंपनी के सीएफओ और डायरेक्टर समीर बी राव, पूर्व एमडी मनु कुमार जैन और तीन विदेशी बैंकों को कारण बताओ नोटिस भेजा है। जांच एजेंसी ने एक बयान में यह जानकारी दी। इसके मुताबिक, विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम के निर्णायक प्राधिकरण ने फेमा की धारा 16 के अंतर्गत शाओमी टेक्नोलॉजी इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, उसके दो अधिकारियों, सिटी बैंक, एचएसबीसी बैंक और डायचे बैंक एजी को नोटिस भेजे हैं। फेमा मामले की जांच पूरी होने के बाद कारण बताओ नोटिस जारी किया जाता है और जब मामले का निपटान होता है तो आरोपी को उल्लंघन राशि का तीन गुना तक जुर्माना चुकाना पड़ सकता है। जांच एजेंसी ने कहा कि शाओमी के साथ जैन और राव को भी यह नोटिस भेज दिया गया है। ईडी ने इससे पहले अवैध मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में शाओमी टेक्नोलॉजी इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के बैंक खातों में जमा 5,551.27 करोड़ रुपये जब्त कर लिए थे। देश के मोबाइल फोन मार्केट में चीनी कंपनियों का दबदबा है। इनमें शाओमी, ओप्पो (ध्ज्द), वीवो और हुवावे शामिल हैं। भारत में ये कंपनियों दोनों हाथों से कमा रही हैं लेकिन एक भी पैसे का टैक्स नहीं देती हैं। सरकार ने इन कंपनियों के गोरखधंधे को उजागर करने के लिए एक विस्तृत जांच शुरू की है। इसमें इन कंपनियों के कारनामे सामने आ रहे हैं। चीनी कंपनियों पर आरोप है कि उन्होंने अपनी इनकम के बारे में जानकारी छिपाई, टैक्स से बचने के लिए प्रॉफिट की जानकारी नहीं दी और भारतीय बाजार में घरेलू इंडस्ट्री को तबाह करने के लिए अपने दबदबे का इस्तेमाल किया। साथ ही चीनी कंपनियों पर कंपोनेंट्स लेने और प्रोडक्ट्स के डिस्ट्रिब्यूशन में पारदर्शिता नहीं बरतने का भी आरोप है। सरकार सभी संभावित मुद्दों की जांच कर रही है। मिनिस्ट्री ऑफ इलेक्ट्रॉनिक्स एंड आईटी की भी इस पर करीबी नजर है।

गेहूं-आटे की बढ़ती कीमत पर लगेगा लगाम

15 साल में पहली बार सरकार ने उठाया ऐसा कदम

नई दिल्ली। आईपीटी नेटवर्क

बढ़ती कीमतों को थामने के लिए सरकार ने दालों के बाद अब गेहूं पर भी स्टॉक लिमिट लगा दी है। यानी गेहूं के स्टॉक की मात्रा की सीमा तय कर दी है। खाद्य और सार्वजनिक वितरण सचिव संजीव चोपड़ा ने बताया कि स्टॉक की सीमा 31 मार्च, 2024 तक लागू रहेगी। स्टॉक लिमिट लागू होने से अब व्यापारी और थोक विक्रेता 3,000 टन से अधिक गेहूं नहीं रख सकते। जबकि खुदरा विक्रेताओं के पास केवल 10 टन तक गेहूं का स्टॉक हो सकता है।

केंद्र सरकार ने 15 साल में पहली बार गेहूं की बढ़ती कीमतों पर लगाम लगाने के लिए मार्च, 2024 तक तत्काल प्रभाव से गेहूं पर भंडारण सीमा (स्टॉक लिमिट) लागू कर दी। सरकार ने खुला बाजार बिक्री योजना (ओएमएसएस) के तहत पहले चरण में केंद्रीय पूल से थोक उपभोक्ताओं और व्यापारियों को 15 लाख टन गेहूं बेचने का भी फैसला किया है। गेहूं के अलावा ओएमएसएस के तहत थोक खरीदारों को चावल की बिक्री की जाएगी और समय आने पर बिक्री की मात्रा तय की जाएगी। सरकार ने स्पष्ट किया कि उसकी गेहूं आयात नीति में बदलाव की कोई योजना नहीं है क्योंकि देश के पास इसका पर्याप्त स्टॉक है।

संजीव चोपड़ा ने बताया कि देश में पर्याप्त भंडार उपलब्ध। ऐसे में गेहूं आयात नीति में बदलाव की कोई योजना नहीं। गेहूं निर्यात पर रोक जारी रहेगी। सरकार कीमतों पर अंकुश के लिए इस माह के अंत में पहले चरण के तहत थोक उपभोक्ताओं, व्यापारियों के लिए 15 लाख टन गेहूं जारी करेगी। यानी खुले मार्केट में गेहूं बेचेगी। एक सवाल के जवाब में खाद्य सचिव ने कहा कि चीनी के और निर्यात की अनुमति देने का कोई प्रस्ताव नहीं है। गौरतलब है कि गेहूं की रिटेल कीमत में आठ फीसदी तक की बढ़ोतरी हो चुकी है। इससे सरकार परेशान है। ऐसे में वह किसी भी तरह से गेहूं की कीमत पर लगाम लगाना चाहती है।

मेक इन इंडिया की बढ़ती धमक...

ऐपल के बाद ब्रिटेन की यह दिग्गज कंपनी भी भारत में बनाएगी फोन

नई दिल्ली। एजेंसी

मेक इन इंडिया की धमक पर पूरी दुनिया में गूंजने लगी है। ऐपल के बाद एक और दिग्गज कंपनी ने अपने स्मार्टफोन भारत में बनाने का फैसला लिया है। ब्रिटेन के कंज्यूमर टेक्नोलॉजी ब्रांड नथिंग ने अपने आने वाले स्मार्टफोन फोन (2) को भारत में बनाने की घोषणा की है। इस फोन की सबसे बड़ी खूबी यह है कि इसमें पर्यावरण का काफी ध्यान रखा गया है। फोन (1) की तुलना में इसमें तीन गुना ज्यादा रिसाइकल्ड यानी बायो-बेस्ड पार्ट्स होंगे। इसकी अनबॉक्सिंग पूरी तरह प्लास्टिक फ्री होगी। इसके फाइनल एसेंबली प्लांट्स पूरी तरह रिन्यूएबल एनर्जी पर चलेंगे। साथ ही इसका फ्रेम 100 परसेंट रिसाइकल्ड एल्यूमीनियम से बना होगा।

नथिंग इंडिया के वीपी और जीएम मनु शर्मा ने कहा कि कंपनी के स्मार्टफोन अपने आइकॉनिक ट्रांसपेरेंट डिजाइन के लिए जाने जाते हैं। ऐसे डिजाइन्स के लिए हाई-टेक मैन्यूफैक्चरिंग प्रोसेसेज और प्रीसिशन इंजीनियरिंग की जरूरत होती है। भारत के पास इसकी क्षमता है। उन्होंने कहा कि भारत में स्मार्टफोन बनाने का हमारा फैसला स्थानीय ग्राहकों और उनकी डिमांड के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। हमें यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि फोन (2) को भारत में बनाया जाएगा। एक यंग ब्रांड होने के नाते हमने हमेशा अर्थ-फर्स्ट अप्रोच को प्राथमिकता दी है।

क्या है इस फोन की खूबी

श्री शर्मा ने कहा कि फोन (2) दुनिया का सबसे ज्यादा सस्टेनेबल स्मार्टफोन है। यह फोन पिछले फोन के मुकाबले पांच किलो कम कार्बन फुटप्रिंट देगा जबकि फोन (1) की तुलना में इसकी बैटरी की क्षमता 200 एमएएच ज्यादा है और स्क्रीन भी 0.15 इंच बड़ी है। फोन (1) की तुलना में फोन (2) में तीन गुना ज्यादा रिसाइकल्ड पार्ट्स हैं। इसके नौ सर्किट बोर्ड्स में 100 फीसदी रिसाइकल्ड टिन, मैन सर्किट बोर्ड में 100 परसेंट रिसाइकल्ड कॉपर फॉइल और सभी 28 स्टील स्टैंपिंग पार्ट्स में 90 परसेंट रिसाइकल्ड स्टील होगा। इसकी पैकेजिंग पूरी तरह प्लास्टिक फ्री होगी। नथिंग ने भारत में चार कंज्यूमर टेक प्रॉडक्ट्स लॉन्च किए हैं और लगातार अपने कस्टमर सपोर्ट को बढ़ा रही है। देश में उसके 230 से अधिक अथॉराइज्ड सर्विस सेंटर हैं। कंपनी की स्थापना 2020 में लंदन में हुई थी। कंपनी के फोन (1) को टाइम मैगजीन ने 2022 के बेस्ट इनोवेशंस में शामिल किया था। नथिंग के दो ऑडियो प्रॉडक्ट्स Ear (1) और Ear (stick) की दुनियाभर में 1,000,000 से अधिक यूनिट्स बिक चुकी हैं। दिसंबर, 2022 में कंपनी ने लंदन में अपना पहला रिटेल स्टोर Nothing Store Soho खोला था। कंपनी में GV, EQT Ventures और C Ventures का निवेश है।

CBIC के पूर्व चेयरमैन की राय

GST लगाने के लिए स्किल-बेस्ड और बेटिंग-बेस्ड ऑनलाइन गेमिंग के बीच फर्क करना जरूरी है

नई दिल्ली। एजेंसी

GST Council को टैक्स लगाने में स्किल बेस्ड और बेटिंग-बेस्ड ऑनलाइन गेमिंग के बीच फर्क करना चाहिए। CBIC के पूर्व चेयरमैन जॉन जोसफ ने यह बात कही है। अभी आर्ज्यू के स्ट्रेटेजिक एडवाइजर जोसफ ने कहा कि ऑनलाइन गेमिंग इंटरमीडियरीज की तरफ से ऑफर किए जा रहे सर्विसेज पर एक ही कॉनसेप्ट लागू करना बेवकूफी है। पिछले कुछ सालों से ऑनलाइन गेमिंग पर इनडायरेक्ट टैक्स के नियमों को लेकर बहस जारी है। मई 2021 में हुई जीएसटी काउंसिल की बैठक में कैसिनो, रेस कोर्सेज और ऑनलाइन गेमिंग पर एक ग्रुप ऑफ मिनिस्टर्स (GoM) बनाया गया था। जीओएम ने स्किल बेस्ट गेम और बेटिंग बेस्ट गेम पर एक समान 28 फीसदी रेट से जीएसटी लगाने पर सहमति जताई थी।

इस बात पर भी बहस जारी है कि जीएसटी सिर्फ पोर्टल की तरफ से ली जारी फीस पर लगाया जाना चाहिए या बेट अमाउंट सहित पूरे अमाउंट पर लगाया जाना चाहिए। अभी ऐसे ऑनलाइन गेम जो बेटिंग की कैटेगरी में नहीं आते हैं उनके मामले में पोर्टल की तरफ से ली

जा रही फीस पर 18 फीसदी जीएसटी लगता है। इस बीच, केंद्र सरकार ऑनलाइन गेमिंग के लिए नियम नोटिफाई किए हैं। इसमें तथाकथित ऑनलाइन रियल मनी गेम्स की इजाजत के लिए सेल्फ रेगुलेटरी एनिटिटी बनाने की सिफारिश की गई है। इसमें ऑनलाइन गेम्स के नेट विनिंग्स पर 30 फीसदी रेट से ऊअए काटने की भी बात कही गई है।

जोसफ ने कहा कि हालिया लेजिस्लेटिव और रेगुलेटरी डेवलपमेंट के बाद स्किल बेस्ड ऑनलाइन गेम्स और बेटिंग बेस्ट गेम्स के बीच अंतर के मामले में स्थिति कुछ साफ हुई है। बेटिंग बेस्ट गेम के तहत बेटिंग, gambling और Wagering आते हैं। उन्होंने कहा कि शुरू ने जो परिभाषा और उससे संबंधित नियम पेश किए हैं, वे देश में गेमिंग इकोसिस्टम को बढ़ावा देने की दिशा में अहम कदम हैं। इसकी परिभाषा बहुत अहम है, क्योंकि यह ऑनलाइन गेमिंग को कानूनी दर्जा देती है। यह रेगुलेटरी नजरिए से इंडस्ट्री को एक पहचान देती है। दरअसल, यह एक प्रोग्रेसिव कदम है। उन्होंने कहा कि इसमें को- रेगुलेशन की बात कही गई है। यह इनोवेटिव और इमर्जिंग सेक्टर के लिए अहम है। जोसेफ ने कहा कि इसके बावजूद जीएसटी का मामला उलझा हुआ है। इस समस्या की जड़ यह है कि सभी ऑनलाइन गेम्स को एक नजरिए से देखा जा रहा है। अलग-अलग ऑनलाइन गेम्स को समझने और उन्हें अलग करने की जरूरत है जिनमें बेटिंग या गैंबलिंग शामिल नहीं होती है। एक बार यह फर्क हो जाने से हम जीएसटी के रेट के बारे में बातचीत कर सकते हैं। इसके अलावा स्किल-बेस्ट ऑनलाइन गेम पर टैक्स के लिए सिर्फ प्लेटफॉर्म की फीस या ग्रॉस गेमिंग रेवेन्यू को आधार बनाया जाना चाहिए। बेटिंग, गैंबलिंग या वैगरिंग से जुड़े गेम्स में पूरे प्राइज पूल पर टैक्स लगाया जाना चाहिए।

सस्ती चीनी के लिए सरकार उठाने जा रही ये कदम, आम आदमी को मिलेगी बड़ी राहत, जानिए क्या है तैयारी

नई दिल्ली। एजेंसी

चीनी के एक्पोर्ट पर अभी रोक लगी हुई है। अब सरकार से आगे बढ़ा सकती है। खबर के मुताबिक, भारत कम से कम अगले सीजन की पहली छमाही तक चीनी निर्यात की परमीशन नहीं देने पर विचार कर रहा है। दरअसल इस साल भारत में मानसून के दौरान सामान्य बारिश के बीच 'अल नीनो' की स्थिति उत्पन्न होने की आशंका ने चिंता बढ़ा दी है। सरकार को चिंता है कि अल नीनो के चलते प्रोडक्शन पर असर पड़ सकता है और इसमें गिरावट आ सकती है। अल नीनो की स्थितियां मानसून के दौरान विकसित हो सकती हैं और मानसून के दूसरे चरण में इसका असर महसूस हो सकता है। कृषि क्षेत्र फसल उत्पादन के लिए मानसून की बारिश पर बहुत अधिक निर्भर करता है।

क्या होता है अल नीनो

अगर आसान भाषा में समझा जाए तो अल नीनो की वजह से तापमान गर्म होता है। वहीं ला नीना के कारण तापमान ठंडा हो जाता है। अल नीनो प्रशांत महासागर में असामान्य रूप से गर्म पानी की मौजूदगी के जलवायु प्रभाव का नाम है। अल नीनो के दौरान, मध्य और पूर्वी भूमध्यरेखीय प्रशांत महासागर में सतह का पानी असामान्य रूप से गर्म होता है। भारत से शिपमेंट में देरी से वैश्विक स्तर पर चीनी की कीमतों में उछाल आ सकता है।

चीनी के उत्पादन में आई गिरावट

एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी के मुताबिक, मौसम एक बड़ा नकारात्मक कारक है। पिछले साल मानसून की अच्छी बारिश के बावजूद चीनी उत्पादन में गिरावट आई थी। इस साल एल नीनो के साथ, हम जल्द निर्यात की अनुमति देने का जोखिम नहीं उठा सकते हैं। अल नीनो मौसम का पैटर्न, जिसने पिछले सात दशकों के दौरान भारत को सबसे अधिक सूखे का सामना करना पड़ा है। इस साल भी समस्या आ सकती है। एक अन्य सरकारी अधिकारी के मुताबिक, चीनी के किसी भी मौसम में, उत्पादन के बारे में एक स्पष्ट रिपोर्ट हासिल करने में कम से कम कुछ महीने लगते हैं। ऐसे में वह उत्पादन के बारे में पूरी तरह से स्पष्ट तस्वीर आने तक इंतजार करेंगे। जहां तक निर्यात का सवाल है, इसमें बिल्कुल भी जल्दबाजी में नहीं करेंगे।

ITR फाइल करने जा रहे हैं, इन पांच बदलावों के बारे में जानना है जरूरी

नई दिल्ली। एजेंसी

वित्तीय वर्ष 2023 में आईटीआर फाइल करने को लेकर कुछ बदलाव किए गए हैं। टैक्सपेयर्स के लिए इन बदलावों के बारे में जानना भी बेहद ही जरूरी है। सही जानकारी के साथ आप बिना किसी दिक्कत के बड़ी ही आसानी से इनकम टैक्स रिटर्न फाइल कर सकते हैं। आइये इन अपडेट्स और बदलावों के बारे में भी जान लेते हैं। अगर आप भी टैक्स पेयर्स की कटेगरी में आते हैं तो आपके लिए यह खबर बेहद जरूरी हो जाती है। दरअसल FY 2023 में आईटीआर फाइल (ITR Filing) करने को लेकर कुछ बदलाव किए गए हैं। टैक्सपेयर्स के लिए इन बदलावों के बारे में जानना भी बेहद ही जरूरी है। सही जानकारी के साथ आप बिना किसी दिक्कत के बड़ी ही आसानी से इनकम टैक्स रिटर्न फाइल कर सकते हैं। आइये इन अपडेट्स और बदलावों के बारे में भी जान लेते हैं।

अगर आपने टैक्स में राहत का दावा किया है तो आपको शेड्यूल सैलरी में रेलिवेंट इंफॉर्मेशन उपलब्ध करानी होगी। इनकम टैक्स एक्ट की धारा 89A रिटायरमेंट बेनिफिट वाले एकाउंट पर टैक्स में रिलीफ देता है। अगर आप आईटीआर फाइल करते वक्त धारा 80 जी के तहत कटौती का दावा कर रहे हैं तो दान रसीद और फॉर्म 10 बीई में दान प्रमाण पत्र अवेलबल कराना जरूरी है। कटौती का दावा करने के लिए आईटीआई फॉर्म में अपने दिए गए डोनेशन की डिटेल्स देनी होगी। इंट्राडे ट्रेडिंग से होने वाला मुनाफा या घाटा कैपिटल गेन के बिजनेस की कटेगरी के तहत टैक्स के अंतर्गत आता है। इस बार ITR फॉर्म में एक खास सेक्शन भाग ए ट्रेडिंग अकाउंट भी रखा गया है। यहां पर टैक्सपेयर्स अपनी इंट्राडे ट्रेडिंग से हुए मुनाफे या फिर घाटे की इंफॉर्मेशन दे सकते हैं।

एक्सपर्ट्स के मुताबिक VDA यानी वर्चुअल डिजिटल असेट्स में क्रिप्टो करेंसी को रखा जाता है। इसके ट्रांसफर से होने वाली कमाई पर 30 प्रतिशत के हिसाब से टैक्स, सरचार्ज और सेस वसूला जाता है। अगर आपकी कमाई का सोर्स वीडीए है तो आप ITR-1 या फिर ITR-4 दाखिल नहीं कर पाएंगे। आपको ITR-2 या फिर ITR-3 भरना पड़ेगा।

न्यू टैक्स रिजीम से बाहर निकलने की जानकारी

एक्सपर्ट्स के मुताबिक कोई भी व्यक्ति धारा 115BAC के तहत ऑप्शनल टैक्स रिजीम चुन सकता है। अगर आप बिजनेस करते हैं या फिर आप नौकरीपेशा हैं तो आप इस ऑप्शन का प्रयोग कर सकते हैं। लेकिन टैक्स पेयर्स पिछले साल के लिए केवल एक बार इसे वापस ले लेते हैं। अगर एक बार आपने इसे वापस ले लिया तो आप दोबारा से इसका इस्तेमाल नहीं कर पाएंगे। इस सिस्टम से बाहर निकलने के लिए आपको फॉर्म 10-IE जमा करना होगा।

कॉफी, चॉकलेट, शुगर और ओरेंज जूस की किल्लत...

अल नीनो ने बढ़ाई पूरी दुनिया की टेंशन

नई दिल्ली। एजेंसी

अल नीनो ने भारत ही नहीं पूरी दुनिया की टेंशन बढ़ा दी है। मॉनसून ने केरल में दस्तक दे दी है लेकिन इसके साथ ही अल नीनो भी सक्रिय हो चुका है। इससे मॉनसून प्रभावित हो सकता है। अल नीनो हर चार साल में सक्रिय होता है। अमेरिकी की मौसम एजेंसियों ने इस बात की पुष्टि की है कि प्रशांत महासागर में अल नीनो की स्थिति बनने लगी है। अल नीनो के असर के कारण भारत में करीब 10 फीसदी कम बारिश होती है। लेकिन अल नीनो की संभावना से भारत ही परेशान नहीं है। इसने दुनिया के कई देशों की टेंशन बढ़ा दी है। दुनिया के कई देशों में अभी से कॉफी, चॉकलेट और ओरेंज जूस की भारी किल्लत होने लगी है। महंगाई की मार से जूझ रही दुनिया के लिए अल-नीनो और मुश्किलें पैदा कर सकता है।

एक रिपोर्ट के मुताबिक टाइट सप्लाई के कारण कॉफी, चॉकलेट्स और ओरेंज जूस जैसे सॉफ्ट कमोडिटीज की कीमत में इस साल काफी तेजी आई है। अल नीनो की वापसी और इन चीजों को पैदा करने वाले देशों में गर्मी बढ़ने की आशंका से स्थिति और बदतर हो गई है। उदाहरण के लिए ब्रिटेन में दुकानदार इंस्टैंट कॉफी जार को सिक्योरिटी केसेज में रख रहे हैं ताकि इन्हें चोरी से बचाया जा सके। इसी तरह जापान में एक बड़ी बेवरेज कंपनी ने शॉर्टेज के कारण ट्रॉपिकाना ओरेंज जूस की बिक्री बंद कर दी है। जर्मनी में चॉकलेट और बिस्कुट बनाने वाली कंपनियों की शिकायत है कि शुगर और कोकोआ की कीमत उनके बूते से बाहर हो गई है।

कॉफी की कीमत में तेजी

इस हफ्ते कॉफी की कीमत 2008 के बाद उच्चतम स्तर पर पहुंच गई है। इस साल सॉफ्ट कमोडिटीज की कीमत में 24 फीसदी तक तेजी आई है। लेकिन गेहूं और मक्के की कीमत में गिरावट देखी जा रही है। जानकारों का कहना है कि ब्रेड और पास्ता की कीमत में कमी आएगी लेकिन शुगर, कॉफी और चॉकलेट की कीमत में इजाफा होगा। ब्राजील में कॉफी बीन के उत्पादन में पांच परसेंट गिरावट आने की आशंका है। दुनिया में रॉबस्टा काफी का दूसरे सबसे बड़े निर्यातक इंडोनेशिया में उत्पादन 20 फीसदी तक गिर सकता है। साथ ही रॉबस्टा के सबसे बड़े उत्पादक देश वियतनाम का भंडार लगातार सिकुड़ रहा है।

इसी तरह चॉकलेट बनाने वाली कंपनियों के लिए भी हालात और बदतर हो सकते हैं। दुनिया में सबसे ज्यादा कोको पश्चिम अफ्रीका में होता है। लेकिन खराब मौसम के कारण वहां इसकी खेती में आठ फीसदी तक कमी आने की आशंका है। इस सीजन कोको की कीमत पहले ही सात साल के उच्चतम स्तर पर पहुंच चुकी है। टॉप एक्सपोर्टर आइवरी कोस्ट (Ivory Coast) में फसल के खराब होने के कारण पहले ही सप्लाई टाइट है। कोको एक ऐसा पौधा है, जिससे चॉकलेट बनाया जाता है। कोको के बीजों को रोस्ट कर के डार्क चॉकलेट बनाई जाती है।

ओरेंज जूस की बिक्री बंद

इसी तरह ओरेंज जूस की कीमत में भी काफी बढ़ोतरी हो चुकी है। अमेरिका में इसका सबसे ज्यादा उत्पादन फ्लोरिडा में होता है। लेकिन वहां बीमारी और हरिकेन के कारण फसल बुरी तरह प्रभावित हुई है। इस कारण इसकी वायदा कीमत 36 साल के रेकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई हैं। इस कारण ओरेंज जूस आम लोगों के बजट से बाहर हो गया है। बेवरेज इंडस्ट्री ने ओरेंज जूस से किनारा करना शुरू कर दिया है। जापान की कंपनी किरिन बेवरेज ने टाइट सप्लाई का हवाला देते हुए ओरेंज जूस की बिक्री बंद कर दी है। इससे पहले बारत में फाइनेंस मिनिस्ट्री ने चेतावनी दी थी कि अल नीनो से देश में सूखे जैसे हालात बन सकते हैं। इससे फसलों के उत्पादन में कमी और कीमत में बढ़ोतरी हो सकती है। अल नीनो स्पेनिश भाषा का शब्द है। इसका मतलब होता है छोटा बच्चा (Little Boy)। इस साल अल नीनो प्रभाव के कारण मॉनसून (Monsoon) पर असर पड़ने की आशंका है। मौसम विभाग ने मॉनसून के सामान्य रहने का अनुमान जताया है लेकिन मौसम का अनुमान लगाने वाली निजी संस्था स्काइमेट ने मॉनसून के सामान्य से कम रहने की भविष्यवाणी की है। देश के एग्रीकल्चर सेक्टर के लिए मॉनसून बहुत जरूरी है। देश की 60 फीसदी आबादी की आजीविका खेती पर निर्भर है और जीडीपी में इसका 18 परसेंट योगदान है। देश में करीब आधी खेती योग्य जमीन मॉनसून पर निर्भर है।

क्या है अल नीनो

प्रशांत महासागर में पेरू होने की घटना को अल नीके निकट समुद्री तट के गर्म नो कहा जाता है। समुद्र का तापमान और वायुमंडलीय परिस्थितियों में जो बदलाव आते हैं उस समुद्र घटना को अल नीनो का नाम दिया गया है। इससे समुद्र की सतह का तापमान सामान्य से 4-5 डिग्री ज्यादा हो जाता है। इस गर्मी की वजह से समुद्र में चल रही हवाओं के रास्ते और रफ्तार में परिवर्तन आता है। इससे मौसम चक्र बुरी तरह से प्रभावित होता है। अल नीनो का असर दुनिया भर में महसूस किया जाता है। इसके कारण बारिश, ठंड और गर्मी में अंतर दिखाई देता है। अब मौसम के बदल जाने के कारण कई स्थानों पर सूखा पड़ता है तो कई जगहों पर बाढ़ आती है।

तीन साल के सबसे निचले स्तर पर पहुंची थोक महंगाई

लगातार दूसरी बार शून्य से भी नीचे गया आंकड़ा

नई दिल्ली। आईपीटी नेटवर्क

भारत तरक्की के रास्ते पर तेजी से बढ़ रहा है। मई महीने में थोक महंगाई में गिरावट देखने को मिली है। थोक मूल्य सूचकांक आधारित महंगाई मई में घटकर शून्य से 3.48 प्रतिशत नीचे चली गई है। यानि कि इस समय भारत में महंगाई निगेटिव में चल रही है, जो तीन साल का निचला स्तर है। अप्रैल में यह शून्य से 0.92 प्रतिशत नीचे थी। यही हाल खुदरा महंगाई का भी है। मई महीने में खुदरा महंगाई दो साल के निचले स्तर 4.25% पर पहुंच गई। अप्रैल महीने में खुदरा महंगाई 4.7 प्रतिशत रही थी। महंगाई में कमी आने से आम लोगों पर घर चलाने का बोझ कम होगा। वहीं दूसरी ओर भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) को भी रेपो रेट में कमी करने का मौका मिलेगा। पिछली दो मौद्रिक पॉलिसी में रेपो रेट में बदलाव नहीं हुआ है। ऐसे में उम्मीद है कि अगर महंगाई इसी तरह कम होती रही है तो अगली मौद्रिक पॉलिसी की बैठक में आरबीआई रेपो रेट में कटौती पर फैसला ले सकता है। इससे होम, कार लोन समेत सभी तरह के लोन लेने वालों को राहत मिलेगी। रेपो रेट कम होने से ईएमआई का बोझ कम होगा।

लगातार चौथे महीने में खुदरा महंगाई में गिरावट

सरकार की तरफ से सोमवार को जारी आंकड़ों में यह जानकारी दी गई। आंकड़ों के अनुसार, मई, 2023 में खुदरा मुद्रास्फीति 4.25 प्रतिशत रही जो अप्रैल, 2021 के बाद का सबसे निचला स्तर है। अप्रैल, 2021 में खुदरा मुद्रास्फीति 4.23 प्रतिशत पर थी। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित मुद्रास्फीति अप्रैल, 2023 में 4.7 प्रतिशत रही थी। वहीं एक साल पहले मई, 2022 में खुदरा मुद्रास्फीति 7.04 प्रतिशत के स्तर पर थी। इस तरह लगातार चौथे महीने में खुदरा मुद्रास्फीति में गिरावट आई है। इसके साथ ही यह लगातार तीसरा महीना है जब खुदरा मुद्रास्फीति भारतीय रिजर्व बैंक के संतोषजनक स्तर पर है।

ChatGPT बनाने वाले सैम अल्टमैन ने पूछा

भारत ने AI को इतना जल्दी कैसे अपना लिया?

नई दिल्ली। एजेंसी

OpenAI के CEO सैम अल्टमैन ने गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। इंद्रप्रस्थ इंस्टिट्यूट ऑफ इन्फॉर्मेशन टेक्नॉलजी में एक कार्यक्रम में ऑल्टमैन ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के साथ मीटिंग काफी अच्छी रही। वे आर्टिफिशल इंटेलिजेंस (AI) को लेकर काफी उत्साहित थे। एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, अल्टमैन ने बताया कि मैंने पूछा कि भारत ने ऍ्ठइ्ऊ को इतनी जल्दी और इतना ज्यादा क्यों अपना लिया। प्रधानमंत्री के पास इसके बारे में शानदार जवाब थे। अल्टमैन ने कहा कि हमने भारत में AI के अवसरों और उसके रेगुलेशन के बारे में भी बात की। प्रधानमंत्री और ChatGPT बनाने वाले सैम अल्टमैन के बीच यह मीटिंग ऐसे समय हुई है जब भारत सरकार AI को रेगुलेट करना चाहती है।

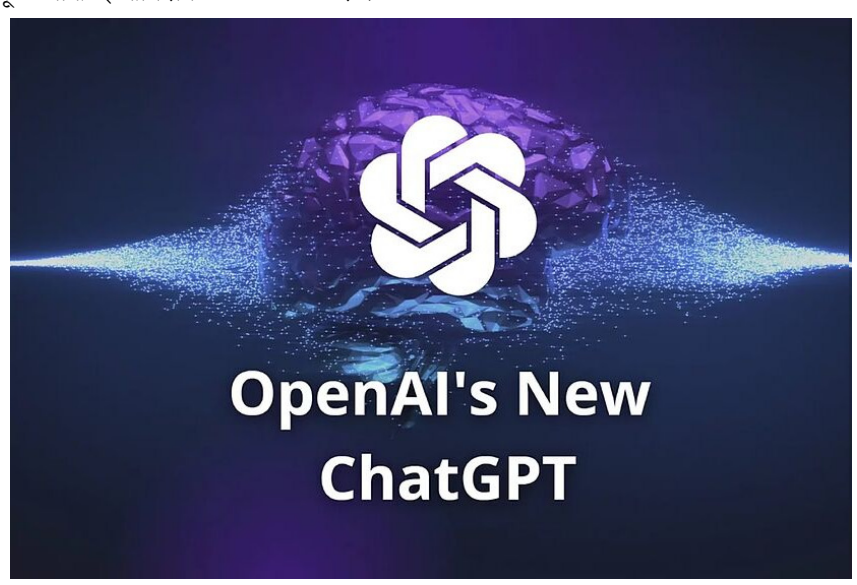

इंटरनैशनल अथॉरिटी बनाने का दिया था सुझाव

अल्टमैन ने बताया कि मोदी के साथ भारत में AI के अवसरों पर भी बात की। उन्होंने कहा, 'हमने देश (भारत) के सामने अवसरों के बारे में बात की, देश को क्या करना चाहिए इस पर भी बात की। ग्लोबल रेगुलेशन की जरूरत पर भी सोचने की जरूरत है, लेकिन यह एक अच्छा समय था।' गौरतलब है कि अल्टमैन इन दिनों भारत के दौरे पर हैं और इस दौरान वह भारत के AI प्रोग्राम पर बात कर रहे हैं। अल्टमैन ने पहले AI को रेगुलेट करने के लिए एक इंटरनैशनल अथॉरिटी बनाने का सुझाव दिया था। इस पर भारत के ध्ऊ राज्य मंत्री राजीव चंद्रशेखर के उनसे मतभेद हैं। चंद्रशेखर ने कहा था, 'सैम अल्टमैन एक स्मार्ट शख्स हैं। AI को कैसे रेगुलेट किया जाना चाहिए, इस पर उनके अपने विचार हैं। हमारे पास भी भारत में कुछ स्मार्ट दिमाग हैं और हमारे अपने विचार हैं।'

कॉपीराइट और एल्गोरिथम को लेकर चिंताएं

हाल ही में एक इंटरव्यू में केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा था 'जब ChatGPT और बार्ड जैसे प्लेटफॉर्म की बात आती है तो कॉपीराइट और एल्गोरिथम को लेकर चिंताएं सामने आती हैं। पूरी दुनिया देख रही है कि AI के लिए रेगुलेटरी सेटअप और फ्रेमवर्क क्या होना चाहिए? G7 देशों के डिजिटल मंत्री गंभीर रूप से चिंतित हैं कि इसके लिए फ्रेमवर्क क्या होना चाहिए? इसलिए यह किसी एक देश का मुद्दा नहीं है। यह वैश्विक मुद्दा है, जिसे अंतरराष्ट्रीय नजरिए से देखा जाना चाहिए। AI प्लेटफॉर्म के बढ़ते प्रभाव को विभिन्न देश देख रहे हैं। भारत में AI से रिलेटेड कानून अन्य समान विचारधारा वाले देशों के साथ मिलकर तैयार किया जाएगा।'

आयकर विभाग ने कहा

'दोनों दस्तावेजों को जोड़ना जरूरी, नहीं तो...

नई दिल्ली। एजेंसी

आधार और पैन को लिंक करने की समय सीमा एक बार फिर नजदीक आ गई है। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (एँऊऊ) द्वारा करदाताओं को दोनों दस्तावेजों को लिंक करने के लिए कई बार अधिक समय दिया जा चुका है।

पैन-आधार को लिंक करने की समय सीमा

इनकम टैक्स के नियम के मुताबिक पैन और आधार को लिंक करना अनिवार्य है। जिन व्यक्तियों ने अब तक अपने पैन और आधार को लिंक नहीं किया है, वे 30 जून तक रू. 1000 का जुर्माना शुल्क देकर ऐसा कर सकते हैं।

आयकर विभाग ने ट्वीट किया, 'पैन आधार लिंकिंग। कृपया पैन धारक ध्यान दें! आयकर अधिनियम, 1961 के अनुसार, सभी पैन धारकों, जो छूट की श्रेणी में नहीं आते हैं, के लिए 30.06.2023 को या उससे पहले अपने पैन को आधार से जोड़ना अनिवार्य है। कृपया आज ही अपना पैन और आधार लिंक करें!'

आयकर नियमों के अनुसार, कोई भी व्यक्ति एक से अधिक पैन नहीं रख सकता है। यदि किसी व्यक्ति के पास एक से अधिक पैन हैं तो रू. 10,000 का जुर्माना लगाया जा सकता है।

आधार और पैन को लिंक करने की आवश्यकता किसे है?

आयकर अधिनियम की धारा 139एए के तहत प्रत्येक व्यक्ति जिसे 1 जुलाई, 2017 को एक स्थायी खाता संख्या (पैन) आवंटित किया गया है और जो आधार संख्या प्राप्त करने के लिए पात्र है, वह अपना आधार संख्या निर्धारित प्रपत्र और तरीके से सूचित करेगा। दूसरे शब्दों में कहें तो ऐसे व्यक्तियों को निर्धारित शुल्क भुगतान के साथ 30 जून 2023 तक अपने आधार और पैन को अनिवार्य रूप से लिंक करना होगा।

लिंक ना करने पर क्या होगा?

बैंक खाता नहीं खोल सकते।

अपना पासपोर्ट बनवाने के लिए आपको पैन की आवश्यकता होती है।

रू. 50,000 से अधिक के म्यूच्यूअल फंड यूनिट नहीं खरीद सकते।

लंबित रिटर्न को प्रोसेस नहीं किया जा सकता है और रिफंड को प्रोसेस नहीं किया जाएगा।

नए डेबिट या क्रेडिट कार्ड नहीं मिल पाएंगे।

Aadhaar-PAN लिंक करने की प्रक्रिया

आयकर पोर्टल खोलें।

बाएं साइड के पैनल 'क्विक लिंक्स' पर जाएं। यहां 'लिंक आधार' पर जाएं।

जैसे ही आप खोलेंगे, आपको तीन-चरणीय प्रक्रिया का पालन करने की आवश्यकता होगी।

शुरुआत में, आपको पैन और आधार विवरण दर्ज करना होगा।

इन विवरणों को दर्ज करने पर। आपको बताया जाएगा कि आपका पैन पहले से लिंक है या नहीं। अन्यथा, यह आपको अगले चरण यानी सत्यापन पर ले जाएगा।

यहां आपको यह सत्यापित करने की आवश्यकता है कि दोनों दस्तावेजों पर सटीक विवरण मेल खाते हैं या नहीं।

यदि विवरण मेल खाते हैं, तो अपना आधार नंबर दर्ज करें और 'link now' बटन पर क्लिक करें।

एक पॉप-अप संदेश आपको सूचित करेगा कि आपका आधार आपके पैन से सफलतापूर्वक लिंक हो गया है।

हमारे कर्म और ईश्वर से संपर्क

जीवन जितना भी मिले उसे हम कैसे जियें यह हमें ही तय करना हैं। मरण अगर प्रभु के हाथ है, तो उस परमात्मा का स्मरण हमारे हाथ है। हमारे कर्म ही हमारे भाग्य का निर्धारण करते हैं।

राजकुमार जैन
स्वतंत्र विचारक एवं विचारक

भगवान की शक्ति और उनके न्याय में सम्पूर्ण आस्था रखकर उसे स्वीकार कर लेना ही सच्ची भक्ति है। ईश्वरीय शक्ति के आगे अपने आप को सम्पूर्ण रूप से समर्पित कर देना ही हमारी आस्था का सच्चा प्रतीक है। अपने श्रद्धेय ईश्वर से संपर्क स्थापित करने के लिए हम सभी मानव निरंतर प्रयासरत रहते है ।अपने ईश्वर से संपर्क स्थापित करने के लिए हम क्या कुछ नही करते, दुर्गम स्थलों की यात्रा करते है, गुरुओं के पास जाते है, व्रत रखते है, पूजा करते है, कथा करवाते है, निर्जल उपवास रखते है, कड़ी तपस्या भी करते है, अपनी अपनी श्रद्धा और समझ अनुसार और भी ना जाने क्या क्या करते है लेकिन फिर भी भगवान से मनचाहा संपर्क नही हो पाता है।

हम यह भली भांति समझते है कि भगवान किसी मानव के समान स्तुति गान या प्रार्थना से प्रसन्न नहीं होते, लेकिन फिर भी हम ईश्वर के प्रेम का सबसे बड़ा पात्र बनने के लिए नाना प्रकार के जतन करते नहीं थकते, दिन रात, तन मन और धन से लगे रहते हैं ईश्वर को प्रसन्न करने में । मन ही मन हम यह स्वीकारते है कि भगवान को हमारे द्वारा उनको प्रसन्न करने हेतु किए जाने वाले इन कर्म कांडो या क्रियाकलापों से कतई कोई लेना देना नहीं है वो तो सिर्फ और सिर्फ हमारे कर्मों को देखते हैं, समझते है और उनका विश्लेषण करते हैं और हमारे द्वारा किए गए कर्मों के अनुसार समुचित कर्मफल प्रदान करते हैं । यही उनका न्याय है जिसमें हम सबकी अटल आस्था भी है। तो समझ लीजिए कि आपके कर्म ही एकमात्र साधन हैं भगवान से मनचाहा सम्पर्क स्थापित करने का । जैसे आपके कर्म वैसा आपका भगवान से संबंध।

हम सभी यह जानते भी है और मानते भी हैं कि भगवान जी चौबीसों घंटे, यानि हर पल सब कुछ देख रहे हैं और समझ भी रहे हैं, फिर भी हम गलत कार्य या अधर्म करने से बाज नही आते। यदि आप भगवान के अस्तित्व में आस्था और विश्वास दोनों ही रखते हैं तो कैसे आप वो कर्म कर लेते है जो ईश्वर को पसंद नही। कैसे आप यह मान लेते है कि आप ईश्वर की नजर से बच निकलने का उपाय जानते है और उनके संज्ञान में लाये बगैर कोई गलत कार्य सफलता से सम्पन्न कर सकते है।

यदि आप सचमुच में ईश्वर से संपर्क स्थापित करना चाहते है, उनकी कृपा के पात्र बनना चाहते है तो भगवान की पसन्द के कर्म करें । यही एकमात्र उपाय है ईश्वर के सानिध्य में पहुँचने का। दूसरा और कोई उपाय संभव ही नही है।

॥ जय जय ॥

अब AI दिलाएगा अनचाहे कॉल्स और SMS से छुटकारा

ट्राई ने टेलीकॉम को दिया आदेश

नई दिल्ली। एजेंसी

टेलिकॉम रेगुलेटर TRAI ने कमर्शल संदेश के लिए नॉन-रजिस्टर्ड फर्मों का पता लगाने और उनके खिलाफ कार्रवाई के लिए सभी टेलिकॉम कंपनियों को आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस और मशीन लर्निंग पर आधारित सिस्टम लगाने का निर्देश दिया है। ट्राई ने मंगलवार को बयान में बताया कि टेलिकॉम सर्विस देने वाली कंपनियों को इन निर्देशों का पालन करने और उठाए गए कदमों के बारे में 30 दिन के भीतर इन्फर्मेशन देने को भी कहा गया है। इनकम टैक्स विभाग ने टैक्सपेयर्स को अडवांस टैक्स की पहली किस्त का भुगतान 15 जून, 2023 करने को कहा है। इनकम टैक्स विभाग ने ट्वीट कर कहा है कि टैक्सपेयर्स 15 जून तक अनुमानित टैक्स देनदारी का 15% भुगतान कर सकते हैं। ऐसे टैक्सपेयर्स, जिनके वेतन पर TDS की कटौती हो चुकी है लेकिन दूसरे आय जैसे ब्याज, किराया आदि आय पर 10,000 से अधिक इनकम टैक्स बनता है, उन्हें अडवांस टैक्स देना होता है। टैक्स एक्सपर्ट सुशील अग्रवाल का कहना है कि 60 साल से अधिक उम्र के सीनियर सिटीजन जिनकी व्यापार और पेशे से आय नहीं होती है। दूसरे इनकम पर उनका इकम टैक्स 10,000 रुपये से अधिक बनता है। उन्हें एडवांस टैक्स जमा नहीं करना होगा।

इंटर्नशिप विथ मेयर के अंतर्गत स्टार्टअप एवं नवाचारों पर चर्चा सत्र आयोजित

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

इंदौर नगर निगम की इंटर्नशिप विद मेयर पहल के अंतर्गत इंटर्न्स के लिए स्टार्टअप एवं नवाचार अवसरों के बारे जानकारी देने के लिये , एक साथ बातचीत करने और कुछ नया करने के लिये, एक परिचर्चा सत्र का आयोजन किया गया। स्वच्छ इंदौर के ब्रांड एंबेसडर और मॉडर्न इनक्यूबेटर के मुख्य संरक्षक और सलाहकार डॉ. पुनीत कुमार द्विवेदी के मार्गदर्शन में इन इंटर्न के लिए स्मार्ट सिटी इंक्युबेटर कार्यालय में एक इंटरेक्शन सत्र आयोजित किया गया जिसमें डॉ. पुनीत

द्विवेदी के साथ विशिष्ट अतिथियों और विशेषज्ञ वक्ताओं में श्री सावन एस. लड्डा, वर्की को-वर्किंग के संस्थापक और इनक्यूबेशन विशेषज्ञ, डॉ. प्रतीक संचेती, इंस्टा प्रिंट्ज़ के संस्थापक और सीईओ और राज्य युवा आयोग, मध्य प्रदेश सरकार के सदस्य शामिल थे। सत्र के दौरान, इन विशेषज्ञों ने इंटर्न के किसी भी संदेह और प्रश्नों का समाधान किया और उन्हें नागरिक समस्याओं को हल करने के लिए स्वच्छ भारत मिशन से संबंधित नवाचार विचारों पर ध्यान केंद्रित करने के लिए प्रोत्साहित किया। बातचीत का स्वर अत्यधिक सकारात्मक और उत्साहजनक था, जो इंटर्न को ऐसे अभिनव समाधानों के साथ आने के लिए प्रेरित करता था जो बड़े पैमाने पर समाज को लाभान्वित कर सकें। नगर निगम इंदौर द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम को एआईसीटीएसएल इंदौर में सर्वसुविधायुक्त स्मार्ट सिटी इनक्यूबेटर में आयोजित किया गया। बतादें कि इस तरह के संवाद सत्र युवा दिमाग को प्रेरित करने और उनमें अपने समुदाय के प्रति जिम्मेदारी की भावना पैदा करने के लिए आवश्यक हैं। मॉडर्न इनक्यूबेटर, वर्कीज को वर्किंग, इंस्टाप्रिंट्ज और अन्य प्राधिकरणों के सहयोग से इंदौर नगर निगम की यह पहल प्रशंसनीय है। यह नवाचार इच्छुक युवा दिमागों को आवश्यक मार्गदर्शन और संसाधन प्रदान करता है, जिससे उन्हें सामाजिक रूप से जागरूक, जिम्मेदार और अभिनव नागरिक बनने में मदद मिलती है। संक्षेप में, 'इंटर्नशिप विथ मेयर' पहल युवाओं को सीखने, बढ़ने और नया करने के लिए एक उत्कृष्ट मंच है। युवा दिमाग के विकास को बढ़ावा देने के लिए इस तरह की पहल को देखना उल्लेखनीय है, और हम आशा करते हैं कि अगली पीढ़ी के नवप्रवर्तकों को प्रेरित करने के लिए ऐसी कई और पहल की जाएंगी।

इन 5 राशि के जातकों नहीं धारण करना चाहिए माणिक्य, हो सकता है नुकसान

वैदिक ज्योतिष शास्त्र के अनुसार प्रत्येक व्यक्ति का जीवन ग्रहों से प्रभावित होता है। ग्रह जातक के जीवन में शुभ और अशुभ दोनों प्रकार का प्रभाव छोड़ते हैं। ग्रहों के प्रभाव को कम व नियंत्रित करने के लिए रत्न धारण करने की सलाह दी जाती है। प्रत्येक ग्रह का संबंध किसी एक रत्न या उपरत्न से होता है। रत्नों को धारण करने से ग्रहों का अनुकूल प्रभाव पड़ता है। लेकिन ज्योतिष सलाह के बिना किसी भी रत्न को धारण नहीं करना चाहिए। ऐसा ही एक रत्न माणिक्य है। आइये जानते हैं यह रत्न किन पांच राशि के जातकों को धारण नहीं करना चाहिए।

डॉ. संतोष वाधवानी
रत्न एवं वास्तु विशेषज्ञ, अंतर्राष्ट्रीय ज्योतिष एवं वास्तु एसोसिएशन प्रदेश प्रवक्ता

ऐसा होता है माणिक्य

संस्कृत में माणिक को पद्मराग, रविरत्न कहा गया है। हिंदी में माणिक, चुन्नी और अंग्रेजी में रूबी स्टोन कहा जाता जाता है। सबसे अच्छा माणिक्य उड़ीसा का माना जाता है। लेकिन अब वह कम ही मिलता है। वहीं बाजार में अभी सबसे ज्यादा बैंकॉक माणिक्य मिलता है।

इन राशि वालों को नहीं पहनना चाहिए माणिक्य

वैदिक ज्योतिष के अनुसार ऐसे जातक जिनकी लग्न राशि कन्या, मकर, तुला, मिथुन या कुंभ होती है, उन्हें माणिक्य रत्न धारण नहीं करना चाहिए। वहीं जिन लोगों की कुंडली में सूर्य देव अशुभ यानि नीच की स्थिति में विराजमान हो तो भी माणिक्य नहीं पहनना चाहिए। जो लोग शनि से जुड़ा कारोबार करते हैं उन्हें भी माणिक्य धारण करने से बचना चाहिए। माणिक्य रत्न के साथ गोमेद और नीलम रत्न को नहीं पहनना चाहिए। वरना नुकसान हो सकता है। वहीं अगर कुंडली में सूर्य देव के साथ केतु, राहु स्थित हों तो भी माणिक्य धारण करने से बचना चाहिए।

माणिक्य पहनने से हो सकते हैं ये नुकसान

माणिक्य धारण करने से नौकरी में दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है।बिना कुंडली का विश्लेषण किए माणिक्य धारण करने से हृदय रोग और आंख के रोग हो सकते हैं। जन्मकुंडली में सूर्य शनि ग्रह से पीड़ित हो और व्यक्ति माणिक्य धारण कर लें तो व्यक्ति को ब्लडप्रेशर जैसी समस्याएं हो सकती हैं। अगर बिना कुंडली का विश्लेषण करके माणिक्य धारण किया जाए, तो व्यक्ति के बॉस और पिता के साथ संबंध खराब हो सकते हैं।

हर दिन पहने अलग-अलग रंगों के कपड़े, होगी धन की बारिश और चमकेगी किस्मत

डॉ. आर.डी. आचार्य
9009369396
ज्योतिष एवं वास्तु विशेषज्ञ
इंदौर (म.प्र.)

वेदों और शास्त्रों के अनुसार हर दिन अलग-अलग रंग के कपड़े पहनने से व्यक्ति को लाभ मिलता है. सप्ताह के 7 दिन अलग-अलग रंग के वस्त्र पहनने का विधान बताया गया है. धार्मिक परंपरा के अनुसार व्यक्ति को हर दिन वार और ग्रह के अनुसार कपड़े पहनने चाहिए. ऐसे में सोमवार से लेकर रविवार तक अलग-अलग वस्त्र पहने जाते हैं. भारतीय संस्कृति और परंपराओं के अनुसार वेदों और शास्त्रों में इसका वर्णन लिखा हुआ है. दिन के अनुसार कपड़े पहने से जहां व्यक्ति को ऊर्जा मिलती है, वहीं माता लक्ष्मी के निमित कपड़े पहनने से उनपर धन की बरसात होती है. ऐसे ही न्याय के देवता शनि और राहु केतु भी उनसे प्रसन्न रहते है, साथ ही बजरंग बली की कृपा सदैव बनी रहती है. हर दिन अलग कपड़े पहनने के महत्व को लेकर ज्योतिषाचार्य ने बताया कि शास्त्रों के अनुसार हर दिन के अलग अलग रंग बताए गए हैं जिनसे लाभ होता है व्यक्ति को दिन के हिसाब से ही अलग-अलग रंग के कपड़े पहनने चाहिए.

सोमवार: सोमवार यानी चंद्रवार को व्यक्ति को श्वेत (सफेद) रंग के कपड़े पहनने चाहिए. ऐसा करने से व्यक्ति को काफी लाभ मिलता है. सोमवार को सफेद रंग के कपड़े पहनने से मन में शांति रहती है.

मंगलवार: व्यक्ति को मंगलवार के दिन मंगल ग्रह के निमित्त वस्त्र पहनने से लाभ मिलता है. यदि व्यक्ति मंगलवार को मंगल ग्रह के निमित्त लाल रंग के वस्त्र पहनता है तो उन पर बजरंगबली की कृपा सदैव बनी रहती है. मंगलवार को लाल रंग के कपड़े पहनने से बजरंगबली ज्ञान और बलवान का आशीर्वाद देते है.

बुधवार: बुधवार के दिन व्यक्ति को हरे रंग के कपड़े पहनने से लाभ मिलेगा बुधवार को हरे रंग के कपड़े पहनने से उनकी वाणी अमृत तुल्य हो जाती है इसलिए बुधवार को हरे वस्त्र पहनने चाहिए.

गुरुवार: गुरुवार के दिन व्यक्ति को पीले रंग के वस्त्र पहनने से लाभ मिलता है गुरु बृहस्पति सभी ग्रहों के गुरु हैं इसलिए गुरुवार को उनके निमित्त पीले रंग के वस्त्र पहनने से उनकी कृपा सदैव बनी रहती है.

शुक्रवार: शुक्रवार के दिन व्यक्ति को किस रंग के वस्त्र धारण करनी चाहिए उसको लेकर बताते हैं कि गुरुवार माता लक्ष्मी का दिन है इसलिए इस दिन लाल रंग के वस्त्र पहनने से काफी लाभ होगा वही शुक्र ग्रह के निमित्त यदि व्यक्ति श्वेत यानी सफेद रंग के वस्त्र धारण करें तो उन्हें काफी लाभ होगा शुक्रवार के दिन लाल रंग के वस्त्र पहनने से माता लक्ष्मी की कृपा सदैव बनी रहती है और उन पर धन की बरसात होती है.

शनिवार: वहीं शनिवार को लेकर बताते हैं कि इस दिन व्यक्ति को गहरे डार्क रंग दे कपड़े पहनने चाहिए शनिवार न्याय के देवता शनि देव का दिन होता है इसलिए इस दिन डार्क गहरे रंग के वस्त्र धारण करने से शनिदेव की कृपा बनी रहती है साथ ही राहु केतु भी के निमित्त गहरे वस्त्र पहनने से लाभ मिलता है. वह बताते है की शनिवार को काले रंग के कपड़े नही पहनने चाहिए.

रविवार: ज्योतिषाचार्य बताते हैं कि रविवार का दिन सूर्य ग्रह का दिन होता है. सूर्य देव सभी ग्रहों के देवता हैं, इसीलिए रविवार के दिन सूर्य देव के निमित्त लाल रंग के वस्त्र धारण करने से व्यक्ति का सब मंगल ही मंगल होता है. रविवार के दिन लाल रंग के वस्त्र पहनने से व्यक्ति के मन में शांति सम्मान वैभव आदि प्राप्त होती है और सूर्य देव के साथ-साथ सभी ग्रहों का आशीर्वाद प्राप्त होता है.

ज्योतिषाचार्य बताते हैं कि हर दिन के अनुसार अलग-अलग रंग के वस्त्र धारण करने का विधान बताया गया है. दिनों के हिसाब से कपड़े पहनने से व्यक्ति को काफी लाभ मिलता है, और इस नियम का पालन करने से व्यक्ति को सुख, शांति, वैभव, धन, दौलत, मान, सम्मान आदि प्राप्त होते हैं.

पैरों की बनावट से जानें दूसरों के दिल की बात

श्री रोशनी शर्मा
9265235662
हस्त रेखा एवं फेस रीडर
(ज्योतिषाचार्य)

सामुद्रिक शास्त्र में मानव शरीर के अंगों का ज़िक्र किया गया है। इसके माध्यम से लोगों के स्वभाव और भविष्य के बारे में जानने में मदद मिलती है। किसी भी व्यक्ति के पैरों की बनावट से उसके अंदर छिपे हर राज का पता लगाया जा सकता है। सामुद्रिक शास्त्र में मनुष्य के अलग-अलग तरह के पैरों की बनावट के बारे में जिक्र किया गया है।

छोटे पैर वाले लोग

जिन लोगों के पैर बहुत छोटे होते हैं, उन लोगों को अच्छी-अच्छी वस्तुओं को खरीदने का बहुत ही शौक होता है। ऐसे पैरों वाले लोगों को बहुत सारी चीजों को खरीद कर उनको इकट्ठा करके रखना बहुत अच्छा लगता है। छोटे पैर वाले लोग दूसरों से ज्यादा से ज्यादा दूरी बनाकर रखते हैं, पर यह चाहते हैं कि लोग इनके आगे-पीछे घूमते रहें। इनको अपना अटेंशन दें, फिर जाकर यह लोग दूसरों को बुलाते हैं और अपने आपको ज्यादा अच्छे तरीके से पेश करते हैं।

जिनके पैर नीचे से थोड़े उठाव वाले होते हैं

सामुद्रिक शास्त्र के अनुसार जिन लोगों के पैर थोड़े उठे हुए या धनुष आकार के होते हैं। ऐसे लोग ज्ञान के बहुत धनी होते हैं। इस आकार के पैर वाले लोगों को दिन में ही सपने देखने का शौक होता है और यह अपनी मेहनत से उसे असलियत में भी बदल देते हैं। ऐसे लोगों की आंखों में कई सारे सपने होते हैं। इन लोगों को अपने जीवन में ज्यादा कुछ नहीं चाहिए होता, जितना मिला होता है यह उसी में संतुष्ट रहते हैं।

सपाट पैर वाले लोग

सपाट पैर वाले लोग खुले दिल के होते हैं और इनका स्वभाव बहुत ही दयालु होता है। समाज सेवा करने के लिए ऐसे लोग हमेशा ही तैयार रहते हैं। जिसके चलते सामाजिक कामों में इन लोगों का सहयोग बाकी लोगों के मुताबिक अधिक होता है। समाज में ऐसे लोगों को बहुत ही मान-सम्मान मिलता है। ऐसे लोगों को दूसरों के साथ मिलना-जुलना बहुत अच्छा लगता है, यह अपने आपको सपने देखने की पूरी छूट देते हैं और उन्हें पूरा करने की भी क्षमता रखते हैं।

गद्देदार पैर वाले लोग

जिन लोगों के पैर गद्देदार या मोटे होते हैं या जिनको देखकर ऐसा लगता है कि पैरों में सूजन है, ऐसे लोग बहुत ही परेशान रहते हैं। यह किसी से भी अपने दिल की बात कहने में हिचकिचाते हैं और मन ही मन में उस बात को लेकर सोच-विचार करते रहते हैं। अपने दिल की बात को किसी के सामने खुलकर नहीं रखते और हर समय इनके चेहरे पर उदासी छाई रहती है।

फटे पैर वाले लोग

जिन लोगों के पैर की एड़ियां बिना किसी कारण से फटती रहती हैं, वो अपने जीवन में किसी भी तरह का फैसला नहीं ले पाते। किसी भी काम में खुद फैसला या खुद का स्टैंड लेने में इन को बहुत मुश्किल होती है। सारी जिन्दगी दूसरे के फैसले या सलाह पर ही निर्भर रहते हैं। ऐसे लोगों को यही नहीं पता होता कि इन्हें जीवन में किस रास्ते में जाना है या इन्हें क्या काम करना है क्या नहीं करना। अपने जीवन को लेकर हमेशा परेशानी में रहते हैं। इनके अंदर आत्म-विश्वास की भी बहुत कमी होती है।

फेंगशुई का ये फ्रॉग करेगा धन से जुड़ी समस्या को मिनटों में दूर

चीनी वास्तु शास्त्र में ऐसी बहुत सारी समृद्धि की प्रतीक वस्तुएं हैं, जिन्हें घर में खुशहाली लाने के लिए रखा जाता है। उन्हीं में से एक है फेंगशुई का तीन टांगों वाला मेंढक। इस मेंढक को घर में संपन्नता को बुलाने के लिए इस्तेमाल किया जाता है। तभी तो इसे धन मेंढक भी कहा जाता है। धन को अट्रैक्ट करने से लेकर करियर को आगे ले जाने के लिए ये बहुत ही महत्वपूर्ण माना जाता है। इसे घर में रखने से पहले फेंगशुई के कुछ नियमों को ध्यान में रखना बहुत ही जरूरी है। तो आइए जानते हैं, फेंगशुई मेंढक का हमारे जीवन में महत्व।

फेंगशुई तीन टांगों वाला मेंढक: फेंगशुई का तीन टांगों वाला मेंढक धन और समृद्धि को आकर्षित करता है। इस मेंढक को दो सामने के पैरों और एक पीछे के पैर या पूंछ के साथ दिखाया जाता है। चीनी वास्तु शास्त्र के अनुसार घर की सुंदरता बढ़ाने के साथ-साथ इसे वास्तु दोष को दूर करने के लिए भी यूज किया जाता है। फेंगशुई मेंढक ऐसा होना चाहिए, जो मुंह में एक सिक्के के साथ सिक्कों या सोने की सिल्लियों के बिस्तर के ऊपर बैठा हो।

कहां रखें फेंगशुई मेंढक: फ्रंट डोर सामने का दरवाजा: घर के मुख्य दरवाजे के सामने इसे रखना बहुत ही शुभ माना जाता है। मनी फ्रॉग को इस जगह रखने से प्रचुर मात्रा में धन आकर्षित होता है। इस फ्रॉग को इस तरह से रखना चाहिए कि इसका मुख घर के अंदर हो।

धन का कोना: धन रखने के लिए उत्तर दिशा को सबसे शुभ माना गया है क्योंकि उत्तर दिशा के स्वामी धन के देवता कुबेर हैं। अगर आप भी घर में धन का उचित प्रभाव चाहते हैं तो मूर्ति को धन कोने में रखें।

करियर में आगे बढ़ने के लिए: बिजनेस अगर ढंग से नहीं चल रहा तो इसे अपनी दुकान या फैक्ट्री में भी रख सकते हैं। ऐसा करने के बाद आप देखेंगे कि आपका काम ऊंचाइयों को छुएगा।

रियलमी 11 प्रो सीरीज 5जी का अनावरण

एजेंसी

भारत में सबसे भरोसेमंद टेक्नॉलॉजी ब्रांड और सबसे विश्वसनीय सेवा प्रदाता रियलमी ने आज अपनी फ्लैगशिप नंबर सीरीज में अपनी नई रियलमी 11 प्रो सीरीज 5जी की घोषणा की। रियलमी नंबर सीरीज यूजर्स को अतुलनीय अनुभव प्रदान करने के लिए बनाई गई है जिसे पूरी दुनिया के यूजर्स ने सराहा है। इसके दुनिया में 50 मिलियन यूजर्स और भारत में 32 मिलियन यूजर्स पहले से मौजूद हैं, और यह संख्या लगातार बढ़ रही है। रियलमी 11 प्रो सीरीज 5जी में दो स्मार्टफोन पेश किए गए हैं रियलमी 11 प्रो .5जी और रियलमी 11 प्रो 5जी।

इस लॉन्च के बारे में श्रीहरी प्रोडक्ट मैनेजर रियलमी इंडिया ने कहा हमारी रियलमी नंबर सीरीज को भारत एवं विश्व में हमारे ग्राहकों ने शुरू से ही काफी प्यार व स्नेह दिया है यूजर्स को लीप फॉरवर्ड टेक्नॉलॉजी प्रदान करने की प्रतिबद्धता के साथ हमने अपनी सीमाओं को इनोवेशन और अत्याधुनिक विशेषताओं, शानदार परफॉर्मेंस और डिजाईन की ओर बढ़ाया है रियलमी 11 प्रो सीरीज 5जी इनोवेशन और डिजाईन की उत्कृष्टता की ओर हमारी प्रतिबद्धता का प्रदर्शन करती है उत्कृष्टता की ओर हमारी प्रतिबद्धता के प्रमाण के रूप में नंबर सीरीज ने स्मार्टफोन उद्योग में लगातार सीमाओं का विस्तार किया है और नए मानक स्थापित किए हैं हम अगले 5 सालों में मिड प्रीमियम सेगमेंट में नं.1 स्मार्टफोन सीरीज बनना चाहते हैं रियलमी 11 प्रो सीरीज 5जी इस विरासत को आगे बढ़ा रहा है और यूजर्स को उनकी अपेक्षाओं से बढ़कर लीप फॉरवर्ड अनुभव प्रदान कर रहा है। हम अपने ग्राहकों के लिए यह शानदार स्मार्टफोन लाकर बहुत रोमांचित हैं और उन्हें रियलमी के साथ अपना असाधारण सफर शुरू करने के लिए आमंत्रित करते हैं।

डेयर टू लीप स्पिरिट के साथ रियलमी अपने ब्रांड का निरंतर विकास करते हुए अगले आयाम की ओर बढ़ता जा रहा है और इनोवेशन एवं डिजाईन के मामले में हर सीमा को पार करता चला जा रहा है रियलमी 11 प्रो सीरीज 5जी में 200 मेगापिक्सल का प्रो-लेवल सुपरजूम कैमरा है जो टेक्नॉलॉजी के मामले में बड़ी पहल करते हुए यूजर्स को परफॉर्मेंस शानदार फीचर्स, अत्याधुनिक इनोवेशन एवं गहन यूजर अनुभव के साथ बेहतर अनुभव प्रदान कर रहा है। रियलमी अपने यूजर्स को इनोवेटिव टेक्नॉलॉजी और डिजाईन प्रदान करने में हमेशा अग्रणी रहा है। रियलमी 11 प्रो सीरीज 5जी द्वारा यूजर्स को सर्वश्रेष्ठ प्रीमियम अनुभव प्रदान करने के लिए रियलमी डिजाईन स्टूडियो ने मशहूर पूर्व गूची प्रिंट एवं टैक्सटाईल डिजाईनर, माटियो मेनोटो के साथ गठबंधन किया है। इस गठबंधन द्वारा रियलमी का उद्देश्य उत्कृष्ट कारीगरी प्रदान करना है।

बेयर और कारगिल ने की रणनीतिक साझेदारी

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

कृषि एवं स्वास्थ्य सेवा से जुड़े लाइफ साइंस के क्षेत्र में अग्रणी वैश्विक कंपनी बेयर ने वैश्विक खाद्य व्यवस्था के बीच कड़ियां स्थापित करने वाली अंतरराष्ट्रीय खाद्य कंपनी कारगिल के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया है इस रणनीतिक साझेदारी का लक्ष्य किसानों को नवीनतम तकनीक प्रदान करते हुए कृषि क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव लाना और किसानों को उनकी उपज का वास्तविक मूल्य प्रदान करना है साथ ही इस रणनीतिक साझेदारी के जरिए छोटे किसानों की बाजार पहुंच को और बेहतर बनाने की कोशिश की जाएगी। इसके लिए स्थानीय जरूरतों को ध्यान में रखकर तैयार एआई संचालित और मोबाइल पर चलने वाले कारगिल के डिजिटल साथी जैसे प्लेटफॉर्म और 5 लाख से ज्यादा किसानों की सहायता कर रहे बेयर के बेटर लाइफ फार्मिंग सेंटर्स जैसे अनूठे माध्यमों की क्षमताओं का लाभ उठाया जाएगा।

इस साझेदारी पर भारत, बांग्लादेश एवं श्रीलंका में बेयर के क्रॉप साइंस डिवीजन के कंट्री डिवीजनल हेड साइमन थॉर्टन वीबुश ने कहा परामर्श, गुणवत्तापूर्ण इनपुट, क्रेडिट, टेक्नोलॉजी और बाजार तक पहुंच छोटे किसानों के लाभ की अहम कड़ी हैं और यह साझेदारी पूरी तरह से इन्हीं पर केंद्रित है। हम यह भी मानते हैं कि इस पूरे प्रयास के लिए डिजिटलीकरण बहुत अहम है और इसीलिए हम सभी संबंधित डिजिटल उपकरण का लाभ लेने का प्रयास कर रहे हैं, जिससे हम सुनिश्चित कर पाएं कि छोटे किसानों को अधिकतम लाभ और बराबरी का मौका मिले।

भारत में कारगिल के प्रेसिडेंट साइमन जॉर्ज ने कहा कारगिल में हम नए डिजिटल सॉल्यूशंस विकसित करने पर ध्यान केंद्रित करते हैं और बेयर के साथ पूरे भारत में किसानों के लिए उत्पादक एवं लाभदायक व्यवस्था तैयार करने की दिशा में इस साझेदारी से हम उत्साहित हैं। साझेदारी को लेकर डिजिटल साथी के संस्थापक रमन सक्सेना ने कहा हमने इसी साल अपने प्लेटफॉर्म पर फार्म एडवाइजरी सब्सक्रिप्शन और फार्म मैनेजमेंट सर्विस की शुरुआत की है, जिसका उद्देश्य किसानों को उनकी कृषि संबंधी जरूरतों के लिए संपूर्ण समाधान उपलब्ध कराना है।

दिल्ली में स्ट्रीट फूड के लिए फूड ट्रक पॉलिसी, 16 जगहों पर बनाए जाएंगे हब

नई दिल्ली। एजेंसी

न्यू यॉर्क, ऑस्ट्रेलिया और हॉन्ग कॉन्ग की तरह ही अब दिल्ली के लोग भी देर रात में भी लजीज खाने का मजा ले सकेंगे। इन देशों की तरह अब दिल्ली की भी अपनी 'फूड ट्रक' पॉलिसी होगी। दिल्ली में अर्थव्यवस्था और रोजगार को बढ़ावा देने के लिए बहुत जल्द दिल्ली सरकार 'फूड ट्रक पॉलिसी' ला रही है। इसे मंगलवार की एक बैठक में मंजूरी दे दी गई है। पॉलिसी के तहत जिन जगहों पर फूड ट्रक की व्यवस्था की जाएगी, वहां सजावट और साफ-सफाई का खासतौर पर ध्यान रखा जाएगा। शुरुआत में 16 जगहों पर फूड ट्रक योजना को लागू किया जाएगा। इसके बाद बाकी स्थानों पर लागू किया जाएगा। पीडब्ल्यूडी मंत्री आतिशी ने कहा कि दिल्ली सरकार फूड ट्रक पॉलिसी लाने जा रही है। इस योजना के तहत दिल्ली के अलग-अलग इलाकों में फूट कोर्ट बनाए जाएंगे, जहां पर कई फूड ट्रक एकसाथ खड़े हो सकेंगे। साथ ही, दिल्लीवालों के लिए फूड कल्चर हब बनाए जाएंगे, जिससे रात के समय में दिल्ली की अर्थव्यस्था और रोजगार को प्रोत्साहन मिलेगा। इस पॉलिसी के तहत दिल्ली में लोगों को घूमते-फिरते हुए खाने-पीने की भरपूर सुविधा मिलेगी। दुनिया के कई बड़े शहरों और पर्यटन जगहों पर पहले से ही फूड ट्रक का चलन रहा है। न्यू यॉर्क, वॉशिंगटन डीसी, सैन फ्रांसिस्को, एमस्टरडैम, ब्रुसेल्स, लंदन, ऑस्ट्रेलिया, सिंगापुर, टोकियो और हॉन्ग कॉन्ग समेत कई देशों में फूड ट्रक काफी प्रचलित हैं। दिल्ली फूड ट्रक योजना का मुख्य उद्देश्य दिल्ली को 'फूड ट्रक राजधानी' बनाना है।

16 जगहों पर बनाए जाएंगे फूड ट्रक हब

दिल्ली सरकार के पीडब्ल्यूडी विभाग ने फूड ट्रक हब बनाने के लिए 16 स्थानों की पहचान की है, जिसमें दिल्ली के अलग-अलग जिलों में आने वाली मशहूर मार्केट और इलाके शामिल हैं। इसके बाद पूरे दिल्ली में विभिन्न स्थानों पर फूड ट्रक हब खोले जाएंगे। अरविंद केजरीवाल ने फूड हब खोलने और दिल्ली में फूड कल्चर को बढ़ावा देने के साथ ही साफ-सफाई का भी खास खयाल रखा जाए। फूड ट्रक पॉलिसी में फूड हब के रखरखाव के काम को गंभीरता से लिया गया है। इन फूड हब के संचालन और रख-रखाव का काम कोई एजेंसी करेगी, जो सजावट, साफ-सफाई का ध्यान रखेगी और सुनिश्चित करेगी कि सभी फूड ट्रक सरकार के ही फूड हब में रहकर अपना बिजनेस करें।

इस साल करीब 6,500 करोड़पति भारतीय छोड़ सकते हैं देश, दुबई और सिंगापुर में बसने की योजना: रिपोर्ट

एजेंसी

इस साल करीब 6,500 करोड़पति भारतीयों के देश छोड़कर विदेशों में बसने का अनुमान है। हालांकि यह पिछले साल यानी 2022 के मुकाबले कम है, जब करीब 7,500 भारतीयों ने देश की नागरिकता छोड़ी थी। पूरे दुनिया में इस साल सबसे अधिक चीन से करीब 13,500 करोड़पतियों के देश छोड़ने का अनुमान है।

भारत से इस साल करीब 6,500 करोड़पति के देश छोड़कर विदेशों में बसने का अनुमान है। हालांकि यह पिछले साल यानी 2022 के मुकाबले कम है। हेनली प्राइवेट वेल्थ माइग्रेशन की ओर से

जारी एक हालिया रिपोर्ट में यह अनुमान जताया गया है। यह संस्था दुनिया भर में वेल्थ और इनवेस्टमेंट के पलायन पर नजर रखती है। रिपोर्ट में कहा गया है कि साल 2023 में भारत के करीब 6,500 हाई नेट वर्थ इंडिविजुअल (HNI) के देश छोड़ने का अनुमान है। हाई नेट वर्थ इंडिविजुअल (HNI) के देश छोड़ने के मामले में भारत ऊपर से दूसरे स्थान पर है। इससे आगे सिर्फ चीन है, जहां के 13,500 करोड़पतियों के इस साल देश छोड़ने का अनुमान है। हालांकि पिछले साल से तुलना करने पर भारत का आंकड़ा थोड़ा बेहतर दिखता है क्योंकि पिछले साल करी 7,500 करोड़पति भारत छोड़कर विदेशों में बसे थे। हेनली एंड पार्टनर्स की इस रिपोर्ट में ग्लोबल वेल्थ इंटेलीजेंस फर्म 'न्यू वर्ल्ड वेल्थ' की रिपोर्ट के आधार पर अनुमान जताए गए थे, जो करोड़पतियों के पलायन पर नजर रखती है। रिपोर्ट के अनुसार, दुबई और सिंगापुर अमीर भारतीय परिवारों के लिए पसंदीदा स्थान बने हुए हैं।

भारत और चीन के अलावा इस लिस्ट में ब्रिटेन तीसरे स्थान पर है। ब्रिटेन से इस साल 3,200 करोड़पतियों के देश छोड़ने का अनुमान है। वहीं रूस 3,000 हाई-नेट वर्थ इंडिविजुअल के साथ इस लिस्ट में चौथे स्थान पर है।

हालांकि अमीर भारतीयों के देश छोड़ने के मामले पर विशेषज्ञों का कहना है कि यह बड़ी चिंता का कारण नहीं होना चाहिए। न्यू वर्ल्ड वेल्थ ने 2031 तक करोड़पतियों की आबादी में करीब 80 फीसदी की बढ़ोतरी का अनुमान जताया है, जहां भारत दुनिया के सबसे तेजी से बढ़ते वेल्थ मार्केट में से एक होगा। न्यू वर्ल्ड वेल्थ ने 2031 तक उच्च-नेट वर्थ व्यक्तिगत आबादी में 80ज्ञ की वृद्धि का अनुमान लगाया है, जिससे भारत दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ते धन बाजारों में से एक बन गया है।

रिपोर्ट के मुताबिक, सबसे अधिक करोड़पति देश के फाइनेंशियल सर्विसेज, फार्मा और टेक्नोलॉजी सेक्टर्स से आएंगे। यह भी दिलचस्प है कि इसके साथ समृद्ध व्यक्तियों के भारत लौटने का भी हाल में रुझान बढ़ा है। जैसे-जैसे भारत में जीवन स्तर में सुधार होता जाएगा, रिपोर्ट में बड़ी संख्या में धनी व्यक्तियों के भारत वापस आने का अनुमान लगाया गया है।

कोका-कोला इंडिया ने 100% रीसाइकिल पीईटी से बनीं किनले बॉटल्स लॉन्च की

भारत में 100% Recycled PET बॉटल्स लॉन्च करने वाली पहली कंपनी बनी। यह 'कचरा मुक्त विश्व'' बनाने और चक्रीय अर्थव्यवस्था की दिशा में बढ़ने में मदद के लिये कंपनी की वैश्विक प्रतिबद्धता हासिल करने में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

कोका-कोला इंडिया ने आंध्र प्रदेश में 100% री साइकिल पीईटी प्लास्टिक मटेरियल (rPET) से बनी नई बॉटल्स लॉन्च की हैं। भारत में यह पहली बार है जब 100% rPET से बनाई गई बॉटल का इस्तेमाल फूड एवं बेवरेज के लिए किया जा रहा है। 'कचरा मुक्त विश्व' (वर्ल्ड विदाउट वेस्ट) बनाने के लिये अपनी वैश्विक प्रतिबद्धता के अनुरूप, कंपनी ने 2030 तक अपनी पैकेजिंग में कम से कम 50% रीसाइकिल सामग्री के इस्तेमाल का लक्ष्य तय किया है और यह अपनी पैकेजिंग में ज्यादा से ज्यादा री साइकिल सामग्री के इस्तेमाल की दिशा में काम कर रही है। कंपनी वर्षों से इस लक्ष्य की दिशा में काम कर रही है और दुनियाभर में अपनी महत्व श्रृंखला में वर्जिन प्लास्टिक के इस्तेमाल में कटौती करने में लगातार प्रगति की है। अभी कंपनी की 90% पैकेजिंग पुनर्चक्रण के योग्य है, जबकि दुनियाभर में इस्तेमाल हो रहा 15% पीईटी पुनःचक्रित (rPET) है।

rPET बॉटल्स फूड ग्रेड रिसाइकल्ड (पुनःचक्रित) पॉलीइथलीन टेरेफ्थेलेट (पीईटी) से बनती हैं। जब पीईटी बॉटल्स का पुनःचक्रण होता है, तब प्लास्टिक का पुनःचक्रण फूड ग्रेड रिसाइकल्ड मटेरियल के लिये यूएस एफडीए और यूरोपीयन फूड सेफ्टी अथॉरिटी (EFSA) द्वारा स्वीकृत टेक्नोलॉजी के आधार पर किया जाता है और उसकी नई PET बॉटल्स बनाई जाती हैं और इससे PET बॉटल्स बनाने के लिये वर्जिन प्लास्टिक की जरूरत कम होती है। rPET बॉटल्स के इस्तेमाल से न सिर्फ प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण होता है, बल्कि प्लास्टिक का वह कचरा भी कम होता है, जोकि व्यापक रूप से पारिस्थितिक तंत्र में मिल सकता है।

नई rPET पैकेजिंग कंपनी के पैकेज्ड ड्रिंकिंग वाटर ब्रांड किनले के लिये 1 लीटर की बॉटल्स में उपलब्ध है। नये बॉटल का लेबल अनोखा है, जिस पर '100% मेड फ्रॉम रिसाइकल्ड फूड ग्रेड प्लास्टिक' लिखा है और यह चक्रीय अर्थव्यवस्था के प्रयासों को साकार करने में कोका-कोला के लिये भारत में एक बड़ी उपलब्धि है। यह फूड सेफ्टी स्टैण्डर्ड्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया (FSSAI) द्वारा फूड पैकेजिंग में पुनःचक्रित पीईटी के इस्तेमाल को स्वीकृत करने के बाद ही संभव था और खाद्य सुरक्षा की संपूर्ण समीक्षा के बाद इनके दिशा-निर्देशों के अनुपालन के अधीन था।

कोका-कोला इंडिया एण्ड साउथवेस्ट एशिया में टेक्निकल एण्ड इनोवेशन के वाइस प्रेसिडेंट एनरिक एकरमैन ने कहा, 'कचरा मुक्त विश्व' बनाने के अपने सपने के अनुसार, हम लगातार पर्यावरण पर अपने प्रभाव को कम करने और चक्रीय अर्थव्यवस्था बनाने में योगदान देने के तरीके खोज रहे हैं। हमें भारत की पहली पेय कंपनी होने पर गर्व है, जिसने उपभोक्ताओं के लिये पैकेजिंग का स्थायित्वपूर्ण विकल्प पेश करते हुए 100% पुनःचक्रित पीईटी से बनीं किनले बॉटल्स लॉन्च की हैं। फूड-ग्रेड आरपीईटी से बनीं हमारी नई बॉटल्स का महत्व इनके शुरूआती उपयोग से बढ़कर है, क्योंकि ये पूरी तरह से पुनःचक्रण के योग्य हैं और उन्हें नई बॉटल्स में रिपर्पज किया जा सकता है। यह भारत सरकार की पहल 'स्वच्छ भारत मिशन' के सम्मान में भी हमारा एक प्रयास है।'

आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में कोका-कोला के फ्रैंचाइज़ बॉटलिंग पार्टनर और श्री सर्वारया शुगर्स लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर डॉ. एस बी पी. पी राममोहन ने कहा, 'पैकेजिंग में पुनःचक्रित पीईटी के इस्तेमाल की दिशा में यह कदम प्लास्टिक के स्थायित्वपूर्ण उपयोग के हमारी सरकार के सपने के अनुरूप है और हमें स्थायित्व की इस पहल में सबसे आगे रहने के तौर पर भारत में कोका-कोला सिस्टम के साथ सहयोग करने पर गर्व हो रहा है।'

कोका-कोला के पीईटी प्रीफॉर्म सप्लाई पार्टनर एल्पला इंडिया में सस्टेनेबिलिटी हेड, उत्सव दीक्षित ने कहा, 'कचरा मुक्त विश्व' (वर्ड विदाउट वेस्ट) बनाने के कोका-कोला के सपने को साकार करने के अलावा, यह लॉन्च एल्पला के वैश्विक स्थायित्व लक्ष्यों के अनुरूप है। एल्पला ने 2018 में एलेन मैकआर्थर फाउंडेशन के भागीदार के रूप में एक वैश्विक प्रतिबद्धता पर हस्ताक्षर किये थे। हमारा मिशन 2025 तक औसतन 25% पुनःचक्रण योग्य सामग्री से 100% पुनःचक्रण योग्य पैकेजिंग बनाना है और यह लॉन्च भारत में इसी दिशा में एक बड़ा कदम है। हमें कोका-कोला से जुड़ने पर गर्व है और हम 'कचरा मुक्त विश्व' को संभव बनाने के लिये जो भी जरूरी होगा, वह करना जारी रखेंगे।'

दिसंबर 2022 में, कोका-कोला बांग्लादेश ने 100% आरपीईटी बॉटल्स लॉन्च की थीं और इसे साउथवेस्ट एशिया (SWA) क्षेत्र का पहला बाजार बनाया था, जहाँ किनले वाटर बॉटल्स को 2 लीटर के पैकेज में पेश किया गया। कोका-कोला कंपनी अब 40 से ज्यादा बाजारों में 100ङ्ग आरपीईटी बॉटल्स की पेशकश करती है।

जुलाई में इंटरनेशनल टेंपल कन्वेंशन का वाराणसी में आयोजन

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

दुनियाभर के मंदिरों को जोड़ने वाला व्यासपीठ और पुणे स्थित संस्था टेंपल कनेक्ट की ओर से वाराणसी यहाँ पर 22 से 24 जुलाई 2023 दौरान इंटरनेशनल टेंपल कन्वेंशन एंड एक्सपो (आयटीसीएक्स) का आयोजन किया गया है। मंदिर व्यवस्थापन पर सर्वोत्तम प्रणाली व व्यवस्थापन से निगडीत अंतर्दृष्टि प्राप्त हो इस हेतू से भारत और दुनियाभर के मंदिर व्यवस्थापन इकट्ठा आने वाले है। इसका उद्घाटन 22 जुलाई को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख डॉ.मोहन भागवत करेंगे। इस अधिवेशन को केंद्र और विविध राज्य के सरकारी प्रतिनिधी भी उपस्थित रहेंगे। भारत सरकार का पर्यटन मंत्रालय इस अधिवेशन के अधिकृत भागीदार है।

टेंपल कनेक्ट के संस्थापक गिरीश कुलकर्णी ने कहा की,आयटीसीएक्स का मुख्य उद्देश्य भाविकों को अधिक बेहतर अनुभव प्रदान करने के लिए नए युग की कल्पनाओं के साथ मंदिर परिसंस्था को अधिक सक्षम करना है। दुनियाभर से लगभग 350 मंदिर इनमें सहभागी हो रहे है,अब तक 285 मंदिरों ने इस अधिवेशन के लिए पंजीकरण किया है।भारत के प्रमुख मंदिर जैसे काशी विश्वनाथ देवस्थान, गिरनार दत्त मंदिर, माँ वैष्णो देवी मंदिर, काल भैरव मंदिर उज्जैन, महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग, कंकाल काली माँ मंदिर, ऐसे कई मंदिर हैं जिन्हें सहभागी होने के लिए आमंत्रित किया गया है।

इस अधिवेशन में युके, युएस, श्रीलंका, मलेशिया, थाईलैंड, ऑस्ट्रेलिया, नेपाल, दुबई और नेदरलैंडस के 27 आंतरराष्ट्रीय मंदिर के प्रतिनिधी उपस्थित रहनेवाले है। गिरीश कुलकर्णी ने आगे कहा की, आयटीसीएक्स में महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चासत्र,नाविन्यपूर्ण कल्पनाओ का सादरीकरण,मंदिर तंत्रज्ञान व्यवस्थापन व उत्पादने इस विषयपर प्रदर्शन,शाश्वतता,निधी व्यवस्थापन,भीड व्यवस्थापन ऐसे कई विषयों का समावेश होगा। इसके अलावा मंदिर व्यवस्थापन की उत्कृष्टता को प्रोत्साहन देने के लिए विविध श्रेणियों में पुरस्कार दिए जाएँगे। चर्चासत्र के महत्त्वपूर्ण विषयों में मंदिर सुरक्षा,आर्थिक व्यवस्थापन,आपत्ती व्यवस्थापन,भीड व्यवस्थापन,खरीद धोरण,अग्नी सुरक्षा,पायाभूत सुविधा, इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी, बौध्दिक संपदा ऐसे कई विषयों का समावेश है,जिसमें मंदिर व्यवस्थापन के प्रतिनिधी,विश्वस्त,मुख्य कार्यकारी अधिकारी विचार-विमर्श करेंगे।

विदेश जाकर छुट्टियां मनाने के लिए अधिक खर्च

भारत में सबसे महंगा फ्लाइट टिकट

नई दिल्ली। एजेंसी

भारत में एविएशन सेक्टर में उधर-पुथल का दौरा जारी है। गो फर्स्ट के दिवालिया होने के बाद डोमेस्टिक एयरलाइंस ने फ्लाइट टिकटों में इजाफा कर दिया। खासकर उन रूटों पर फ्लाइट टिकट के दाम में तेजी से बढ़ोतरी हुई है, जिनपर गो फर्स्ट एयरलाइन का दबदबा था। सिर्फ घरेलू ही नहीं बल्कि इंटरनेशनल फ्लाइट टिकटों में भी तेजी से बढ़ोतरी हुई है। इंटरनेशनल एयर फेयर में अब तक की सबसे बड़ी बढ़ोतरी देखने को मिली है। एयरपोर्ट्स काउंसिल इंटरनेशल (ACI) के मुताबिक एशिया पैसिफिक में फ्लाइट टिकटों के फेयर में अब तक की सबसे बड़ी तेजी देखने को मिली है।

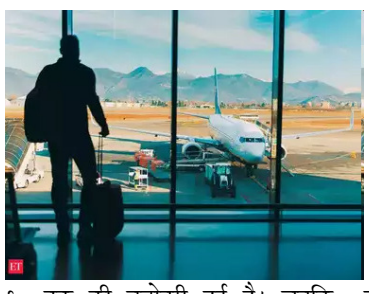

ACI एशिया पैसिफिक ने कहा कि उन्होंने स्टडी में पाया है कि इंटरनेशनल एयरफेयर में 50 फीसदी तक की बढ़ोतरी हुई है। जबकि डोमेस्टिक रूट्स पर किराए में 10 फीसदी से कम की बढ़ोतरी हुई है। एसीए ने दुनिया के टॉप 10 एविएशन मार्केट के 36000 रूट्स पर ये स्टडी की। उन्होंने अपनी स्टडी में पाया है कि बीते कुछ सालों में इंटरनेशल एयर फेयर में जबरदस्त तेजी देखने को मिली है। जिन एविएशन मार्केट में इंटरनेशनल एयरफेयर में सबसे ज्यादा तेजी देखने को मिली है, उसमें भारत पहले नंबर पर है। ACI के मुताबिक भारत में एयर फेयर में 41 फीसदी तक की बढ़ोतरी हुई है। वहीं UAE में 34 फीसदी, सिंगापुर में 30 फीसदी और ऑस्ट्रेलिया में 23 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। कोरोना के बाद साल 2021 के अंत में इंटरनेशनल फ्लाइट एक बार फिर से शुरू हुए। पोस्ट कोविड हवाई किराए में सबसे ज्यादा तेजी आई है। वैश्विक स्तर इंटरनेशनल फ्लाइटकिराए में रॉकेट के रफ्तार से तेजी देखने को मिली है। डिमांड का असर फ्लाइट टिकटों के किराए पर देखने को मिला है।

स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक सचिन बंसल द्वारा अपनी दुनिया प्रिंटर्स, 13, प्रेस काम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 18, सेक्टर-डी-2, सांवेर रोड, इंडस्ट्रीयल एरिया, जिला इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित । संपादक- सचिन बंसल

सूचना/चेतावनी- इंडियन प्लास्ट टाइम्स अखबार के पूरे या किसी भी भाग का उपयोग, पुनः प्रकाशन, या व्यावसायिक उपयोग बिना संपादक की अनुमति के करना वर्जित है। अखबार में छपे लेख या विज्ञापन का उद्देश्य सूचना और प्रस्तुतिकरण मात्र है। अखबार किसी भी प्रकार के लेख या विज्ञापन से किसी भी संस्थान की सिफारिश या समर्थन नहीं करता है। पाठक किसी भी व्यावसायिक गतिविधि के लिए स्वविवेक से निर्णय करें। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र इंदौर, मप्र रहेगा।